संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 229
पृष्ठ 8
शनिवार
10 मई 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में विटामिन ई कैप्सूल...
विचार- पाकिस्तान को माकूल जवाब
खेल- आईपीएल 2025 का सत्र एक हफ्ते...

पाकिस्तान अब अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा : योगी आदित्यनाथ

● पाकिस्तान केवल आतंकवाद को संरक्षण नहीं दे रहा, वह सीधे तौर पर इसमें शामिल है

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि यह सिद्ध तथ्य है कि पाकिस्तान आतंकवाद में शामिल है और उसे अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ''भारत हर परिस्थिति में विजयी है और विजयी रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी ने देखा होगा कि आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी और कुछ राजनेता कितनी बेशर्मी से शामिल हुए। इससे पूरी दुनिया की आंखें खुल जानी चाहिए कि पाकिस्तान न केवल आतंकवाद को पनाह देता है, उसे पनाह देता है या प्रायोजित करता है, बल्कि आतंकवाद में सीधे तौर पर शामिल भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि भारत की हालिया जवाबी कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के प्रति पाकिस्तान का खुला समर्थन यह साबित करता है कि वह देश न केवल आतंकवाद का पनाहगाह है, बल्कि अब "अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है।" महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर लखनऊ में एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, "भारत की कार्रवाई के बाद, जब आतंकवादी मारे गए, तो पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी और राजनेता उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इस बेशर्मी भरे प्रदर्शन से दुनिया की आंखें खुल जानी चाहिए।" उन्होंने कहा, "पाकिस्तान केवल आतंकवाद को संरक्षण नहीं दे रहा, वह सीधे तौर पर इसमें शामिल है। उसकी संलिप्तता अब इतनी स्पष्ट हो गई है कि उसे अपने अस्तित्व के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा।" जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने कड़ा जवाब देने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, आप सभी ने देखा होगा कि हमारे पर्यटकों पर कितनी बर्बरता से हमला किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ संकल्प लिया और हमारे बहादुर सैनिकों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। आदित्यनाथ ने लोगों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने और "परीक्षा की इस घड़ी" के दौरान सशस्त्र बलों का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, प्रत्येक भारतीय को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। यदि कोई शरारती तत्व अशांति फैलाने की कोशिश करता है, तो हमें सतर्क रहना चाहिए और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले किसी भी कृत्य का पर्दाफाश करना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए फैलाई जा रहीं गलत सूचनाओं के बारे में भी चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा, अफवाहें फैलाने की कोशिशें होंगी। लेकिन हमें ऐसे शोर को नजरअंदाज करना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी के साथ चलना चाहिए। भारत जीतेगा—इसमें कोई संदेह नहीं है। आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि महाराणा प्रताप जयंती कठिन समय में एकजुट रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा, यह अवसर हमें अपने सुरक्षा बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने और उनका मनोबल बढ़ाने की याद दिलाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की बड़ी बैठक

तीनों सेना प्रमुखों के साथ की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ शुक्रवार को बैठक कर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की. यह समीक्षा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल किए जाने के एक दिन बाद की गई. बताया जा रहा है कि सुरक्षा संबंधी बदलते हालात से जुड़े हर पहलू पर बैठक में चर्चा की गई. इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी शामिल हुए।

भारत ने नाकाम किया पाकिस्तान का हर हमला

भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर एवं कुछ अन्य स्थानों में सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान द्वारा मिसाइल एवं ड्रोन से हमला किए जाने के प्रयासों को विफल कर दिया. भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को विफल किए जाने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत 'अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं.'

भारत ने 15 सैन्य ठिकानों पर हमले को किया था नाकाम

भारतीय सैन्य अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन एवं मिसाइलों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया तथा दुश्मन के प्रयासों को विफल कर दिया. पाकिस्तान ने 24 घंटे से कम समय पहले भी भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की इसी तरह की कोशिश की थी. रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार दोपहर को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने मिसाइल और ड्रोन का उपयोग करके देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों के 15 शहरों में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल कर दिया. उसने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बुधवार रात को अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया।

बीएसएफ के जवानों ने सांबा सेक्टर में सात आतंकवादियों को ढेर किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू फ्रंटियर के सांबा सेक्टर में गुरुवार की रात घुसपैठ की कोशिश करने वाले सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया। बी एस एफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि निगरानी ग्रिड को सांबा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश करने वाले आतंकवादियों की भनक लगी। पाकिस्तान के रेंजर्स ढांढर पोस्ट से गोलीबारी कर आतंकवादियों को कवर दे रहे थे। बीएसएफ के सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए कम से कम 7 आतंकवादियों को मार गिराया और पाक पोस्ट ढांढर को भारी नुकसान पहुंचाया। बीएसएफ ने पाकिस्तानी चौकी को ध्वस्त करने का वीडियो भी जारी किया है।

भारतीय सेना हर तरह की परिस्थितियों से निपटने में सक्षम -गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय सेना को हर तरह की परिस्थितियों से निपटने में सक्षम बताते हुए कहा है कि राजस्थान की सीमा पर भी पाकिस्तान की हरकतों का सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। श्री गहलोत ने शुक्रवार सुबह अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा ष्मेरा सभी प्रदेशवासियों से आग्रह है कि बिल्कुल न घबराए, धैर्य के साथ सतर्क और सावधान रहें एवं सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

बीएसएफ ने सांबा सेक्टर में घुसपैठ को विफल किया

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में जम्मू के सांबा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीमा पार से हो रही घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ ने गुरुवार देर रात सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया। बीएसएफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा श्बीएसएफ ने सांबा सेक्टर में कल रात ग्यारह बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आतंकवादियों को घुसपैठ करते देखा और उन्हें ललकारा। बीएसएफ जम्मू ने घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया।

पाकिस्तान स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा...

पुंछ में प्रभावितों से मुलाकात के बाद बोले उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थानीय लोगों से बातचीत की, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच वर्तमान में सांबा में सुरक्षित स्थान पर रह रहे हैं। पुंछ में पाकिस्तान की गोलाबारी पर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पुंछ में भारी नुकसान हुआ है। पुंछ में सबसे ज्यादा लोग हताहत हुए हैं और सबसे ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मैं कुछ समय पहले जम्मू के अस्पताल में था और वहां भर्ती सभी घायल पुंछ से हैं। पुंछ में स्थिति गंभीर है। उपमुख्यमंत्री पुंछ पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, अगर वे वहां पहुंचते हैं तो वहां के लोगों से मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश की है। उन्होंने ड्रोन का इस्तेमाल किया। लेकिन इसका श्रेय हमारे रक्षा बलों को जाता है, उन्होंने सभी ड्रोन को मार गिराया। कश्मीर के अनंतनाग में गोला-बारूद डिपो को भी निशाना बनाया गया, लेकिन कोशिश नाकाम कर दी गई। हमने यह स्थिति शुरू नहीं की, पहलगाम में निर्दोष लोग मारे गए, और हमें जवाब देना पड़ा। पाकिस्तान स्थिति को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, और इससे उन्हें किसी भी तरह से फायदा नहीं होगा। उन्हें अपने हथियार डाल देने चाहिए। उन्हें तनाव बढ़ाने के बजाय डी-एस्केलेशन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पाकिस्तान की ओर से भारी गोलाबारी के कारण सीमावर्ती कस्बे में एक घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि 7 मई को सुबह करीब 6.30 बजे पाकिस्तान की ओर से दागे गए गोले यहां आकर गिरे, जिससे यह घर क्षतिग्रस्त हो गया। शुक्र है कि इसमें किसी की जान नहीं गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय की स्थिति यह तय करेगी कि स्कूल बंद किए जाने की अवधि को बढ़ाया जाएगा या नहीं और यदि इसे बढ़ाया जाएगा तो कितने समय के लिए ऐसा किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए बृहस्पतिवार को अगले दो दिन के लिए स्कूल बंद करने का आदेश दिया।

दिल्ली-एनसीआर के स्कूल हुए बंद, ऑनलाइन होंगी क्लास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है। बॉर्डर पर हो रही बमबारी के बीच देश के अन्य शहरों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इसी बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार नौ मई को कई स्कूल कैंपस बंद कर दिए गए है। स्कूल बंद होने पर अब क्लास ऑनलाइन ली जाएगी। वहीं आपातकाल की तैयारी करने के लिए भी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। वहीं नियमित कक्षाओं को भी जारी रखने के लिए अब ऑनलाइन मोड पर स्कूल शिफ्ट होंगे। बता दें कि दिल्ली-एनसीआर के निजी स्कूलों ने गुरुवार को भारतीय शहरों में सैन्य सुविधाओं पर हमला करने के पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के प्रयास के बाद भारत द्वारा जवाबी कार्रवाई शुरू करने की पृष्ठभूमि में कई तरह की प्रतिक्रियाएं अपनाई हैं। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में सरकारी स्कूल खुले रहे, लेकिन संबंधित राज्य सरकारों की ओर से कोई औपचारिक निर्देश जारी नहीं किए गए। दिल्ली शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों ने स्कूलों को बंद करने का आदेश नहीं दिया, क्योंकि 11 मई से गर्मी की छुट्टियों के लिए स्कूल पहले से ही बंद हैं।

आरएसएस ने सैन्य बलों का बढ़ाया मनोबल, देशवासियों से की यह खास अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। आरएसएस ने मोहन भागवत के हवाले से कहा कि पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई "ऑपरेशन सिंदूर" के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन। हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को

एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है। भागवत ने कहा कि हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनका ढॉचा एवं सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करे। इसके साथ-साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। समस्त देशवासियों से अनुरोध है कि अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए सेना एवं नागरी प्रशासन के लिए जहाँ भी, जैसी भी आवश्यकता हो, हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहे और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करे।

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में सुरक्षा कारणों से नारियल, प्रसाद पर प्रतिबंध

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर प्रभादेवी के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से मंदिर परिसर के अंदर नारियल और प्रसाद पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह कदम सुरक्षा एहतियात के तौर पर उठाया गया है क्योंकि नारियल का इस्तेमाल विस्फोटकों को छिपाने के लिए किया जा सकता है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और पूर्व विधायक सदा सरवणकर ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस और महाराष्ट्र सरकार की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है। श्री सरवणकर ने कहा,"जहां तक घ्घ्सुरक्षा का सवाल है, नारियल एक दु:स्वप्न है। हर नारियल की जांच करने में समय लगता है। मिठाइयों से तीर्थयात्रियों पर जहर का हमला होने का खतरा रहता है।" उन्होंने कहा कि मंदिरों के बाहर विक्रेताओं को नया स्टॉक खरीदने से मना कर दिया गया है। विक्रेताओं को मौजूदा स्टॉक खत्म करने के लिए दो दिन का समय दिया गया है।

प्रतिबंध रविवार से लागू होगा। श्री सरवणकर ने कहा कि कोई विशेष आतंकी खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा उपाय शुरू किए गए हैं।

प्रतिबंध की अवधि के दौरान, भक्त भगवान गणेश को प्रसाद के रूप में दूर्वा घास और फूलों के छोटे बंडल ले जा सकते हैं। भारी मालाओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हर इमरजेन्सी में रहें तैयार...

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को जारी किए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। युद्ध के हालात के बीच भारत पूरी तरह से तैयार है। आज सुबह भी पाकिस्तान द्वारा भेजे गए कई ड्रोन व मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश जारी किए हैं। राज्यों को नागरिक सुरक्षा नियमों के तहत आपातकालीन शक्तियों को सक्रिय करने, मॉक ड्रिल आयोजित करने और आवश्यक सेवाओं की तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों मुख्य सचिवों और प्रशासकों को पूरी तरह से तैयार रहने की सलाह दी है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने युद्ध के दौरान जरूरी सामग्री जैसे रसद आदि की खरीदारी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, ताकि जब जरूरत पड़े, ये सामग्रियां सभी को उपलब्ध कराई जा सकें। आपात स्थितियों के लिए नागरिकों को तैयार करने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित कर रहे हैं तथा उन्हें हवाई हमलों, ब्लैकआउट और आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

बीईओ से मांगी रिसेट आवेदन पत्रों की सूची

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक–शिक्षिकाओं के अन्तर्जनपदीय एवं अन्तःजनपदीय पारस्परिक स्थानान्तरण के लिए रिसेट आवेदन पत्रों की सूची मांगी गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को पत्र लिखा है कि 24 अप्रैल तक रिसेट आवेदन पत्रों की सूची उपलब्ध करानी थी लेकिन केवल कौड़िहार द्वितीय, शंकरगढ़ एवं बहादुरपुर ने सत्यापन सूची उपलब्ध करायी है। शेष विकास खंडों से सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है।

रॉयल्टी मिलने की शर्त पर इलाहाबाद आए थे कविगुरु

प्रयागराज। बंगाली समाज कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती प्रत्येक वर्ष वैशाख माह की 25वीं तिथि को मनाता है। शुक्रवार को जयंती समारोह आयोजित होगा लेकिन कविगुरु का इस शहर से बहुत ही गहरा नाता वर्ष 1908 में जुड़ा था जब उन्हें पश्चिम बंगाल के प्रतिष्ठित प्रकाश योगों समाज ने बंगला पुस्तकों के प्रकाशन पर रॉयल्टी देने से इनकार कर दिया था। तब केपी इंटर कॉलेज के पहले प्रधानाचार्य व कविगुरु के अभिन्न मित्र रामानंद चटर्जी ने उनकी मुलाकात इंडियन प्रेस के संस्थापक बाबू चिंतामणि घोष से कराने और रॉयल्टी दिलाने का वादा किया। यहां आने पर प्रेस के संस्थापक के साथ कविगुरु की मुलाकात हुई और उन्होंने अपनी बंगला पुस्तकों को प्रकाशित कराने के लिए 25 फीसदी रॉयल्टी की मांग की। संस्थापक के प्रपौत्र अरिंदम घोष बताते हैं कि रॉयल्टी को लेकर एक समझौते पर करार हुआ कि प्रत्येक छमाही पर आधी रॉयल्टी दी जाए। दूसरी बार समझौते पर करार करने के लिए कविगुरु वर्ष 1914 में आए थे। यह सिलसिला वर्ष 1923 तक चलता रहा। इस 16 वर्षों के दौरान इंडियन प्रेस से कविगुरु की बंगला साहित्य की कुल 87 पुस्तकों का प्रकाशन हुआ था। वर्ष 1923 के बाद रॉयल्टी नहीं दी गई, इसकी वजह यह रही कि कविगुरु ने विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना बंगाल में की थी। प्रेस के संस्थापक के प्रपौत्र ने बताया कि परदादा ने कविगुरु को सलाह दी कि खुद के प्रकाशन गृह से आपको ज्यादा रॉयल्टी मिल सकती है। इसके बाद 25 फीसदी रॉयल्टी का समझौता कभी नहीं हुआ।

नौ महीने में तैयार होगा श्रृंगवेरपुर धाम का सिक्स लेन पुल

प्रयागराज। केंद्र व प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राम वनगमन मार्ग के पांच चरणों में हो रहे कार्यों के अंतर्गत तीसरे चरण में श्रृंगवेरपुर धाम के पास गंगा पर सिक्स लेन पुल का निर्माण हो रहा है। लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय मार्ग खंड की ओर से कराया जा रहा कार्य 54 फीसदी पूरा हो चुका है। अधिकारियों का दावा है कि शेष कार्य फरवरी 2026 तक पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। तीसरे चरण में प्रतापगढ़ के औतारपुर के आगे 26 किमी तक श्रृंगवेरपुर से कौशांबी के बरनपुर, कादीपुर व इचौली तक मार्ग का कार्य कराया जा रहा है। 819 करोड़ की लागत से यह कार्य एक फरवरी 2024 से शुरू कराया गया है। गंगा पर बने 1200 मीटर लंबे पुल पर 120–120 मीटर की दूरी पर दो स्पैन रखा जाना है तो 60–60 मीटर की दूरी पर 36 स्पैन रखे जाएंगे। इसमें से अब तक चार स्पैन रखे जा चुके हैं। खास बात है कि पीएम गति शक्ति पोर्टल के जरिए परियोजना के कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है। खंड के अधिकारियों की ओर से प्रत्येक सप्ताह प्रगति रिपोर्ट पोर्टल पर भेजी जाती है। खंड के अधिशाषी अभियंता रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि पांच चरणों में परियोजना का कार्य चल रहा है। प्रयागराज में तीसरे चरण का कार्य तय समय सीमा के अंदर कराने के लिए जून से सौ श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सहायक अभियंताओं को लगातार मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है।

एसआरएन में 250 बेड आरक्षित करने की तैयारी

प्रयागराज।भारत और पाकिस्तान के बीच जारी युद्ध को देखते हुए अस्पतालों में अलर्ट जारी किया गया है। इस बारे में मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल में तैयारियां तेज हो गई हैं।

अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरबी कमल के अनुसार 250 बेड को आरक्षित करने पर विचार–विमर्श किया जा रहा है। 1200 बेड के अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, ऑक्सीजन सप्लाई, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, जांच की मशीनों और ट्रामा सेंटर की स्थिति और बेहतर किया जा रहा है। अस्पताल किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने बताया के भारत और पाकिस्तान के युद्ध को लेकर विशेष तैयारी का अभी कोई निर्देश नहीं आया है।

थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता सामाजिक जिम्मेदारी: वत्सला

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. वत्सला मिश्रा ने कहा कि थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवांशिक बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना चिकित्सा संस्थानों की सामाजिक

जिम्मेदारी है। बाल रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. अनुभा श्रीवास्तव ने कहा कि थैलेसीमिया जैसी बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के लिए समय पर निदान, उपचार और समाज में सहानुभूति होना जरूरी है। हम सबको मिलकर इन बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

महाकुम्भ में संवरी सड़क अब ताल में तब्दील

प्रयागराज। महाकुम्भ के पहले शहर के तमाम इलाकों की बदहाल सड़कों को चमकाया गया। नैनी के विद्यानगर में भी एक सड़क ऐसी है, जो महाकुम्भ के पहले तक शानदार थी लेकिन आज इस पर चलने से लोग बचते हैं। मार्ग का एक हिस्सा ताल में तब्दील हो चुका है। पानी भरने से कॉलोनी आने जाने वाला मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। एफसीआई गोदाम से डांडी को जोड़ने वाली रोड से प्रतिदिन हजारों वाहन आवागमन करते हैं। दो हजार से अधिक मकानों वाली विद्यानगर कॉलोनी के लोगों के आवागमन का भी यही रास्ता है। चार पहिया वाहन तो किसी तरह मार्ग के इस हिस्से से निकल जाते हैं लेकिन दो पहिया चालक तो इस सड़क पर जाने से डरने लगे हैं।

हर दिन हादसा हो रहा है। ई रिक्शा चालक भी अब सड़क के खतरनाक हिस्से से नहीं जाना चाहते। कॉलोनी के लोग परेशान हैं। नगर निगम में रोड मरम्मत की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। महाकुम्भ के पहले तक एफसीआई गोदाम–डांडी मार्ग शानदार था। वाहन इस सड़क पर फर्राटा भरते थे। महाकुम्भ के दौरान शहर में वाहनों का डायवर्जन लागू होने के बाद यहां मुश्किल बढ़ने लगी। मार्ग से भारी और बड़े वाहनों का आवागमन शुरू हो गया। सड़क का एक हिस्सा बड़े वाहनों का भार संभाल नहीं पाया। धीरे–धीरे रोड टूटने और धंसने लगी। महाकुम्भ समाप्त होने तक मार्ग पूरी तरह टूटने के साथ धंस गया। अब सड़क के 50 मीटर दायरे में दो फीट तक गड्ढे हो गए हैं। आसपास नालियां नहीं होने से मोहल्ले का पानी इन गड्ढों पर भरने लगा। अब मार्ग पर पानी भरा रहता है।

विद्यानगर कॉलोनी के लोगों ने बताया कि पानी पहले भी आता लेकिन बह जाता था, महाकुम्भ में भारी वाहनों की आवाजाही के बाद मार्ग पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए तो पानी भरने लगा। नालियां नहीं होने की वजह से मार्ग से पानी नहीं निकल पाता। सड़क की मरम्मत के लिए स्थानीय लोग गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। अब तो यहां के लोगों ने वैकल्पिक मार्गों से आवाजाही शुरू कर दी है। बच्चे इस सड़क से जाना नहीं चाहते। अभिभावक दो पहिया पर बच्चों को ले जाने से डर रहे हैं। कॉलोनीवासी कहते हैं कि बारिश से पहले सड़क की मरम्मत नहीं होती तो इस पर आवागमन रोकना पड़ेगा। बारिश के पानी से सड़क का गड्ढे वाला हिस्सा डूब जाएगा। कॉलोनीवासियों का कहना है कि मार्ग की मरम्मत नहीं हुई तो चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। कॉलोनी की गलियां कच्ची, नहीं है स्ट्रीट लाइट विद्यानगर के लोगों ने बताया कि कॉलोनी की अधिकतर गलियां आज भी कच्ची हैं। कॉलोनी में सभी जगह स्ट्रीट लाइट नहीं लगी।

महाकुम्भ के पहले सभी गलियों को पक्की बनाने और स्ट्रीट लाइट लगाने का आश्वासन दिया गया था। महाकुम्भ बीता और आश्वासन देने वाले गलियां बनाना और लाइट लगाना भूल गए। कॉलोनी में नालियां नहीं होने से बारिश में समस्या खड़ी होती है। दो वार्डों के बीच फंसी कॉलोनी प्रयागराज। विद्यानगर कॉलोनी दो वार्डों के बीच पिस रही है। कॉलोनी का एक हिस्सा वार्ड एक महेवा तो दूसरा हिस्सा वार्ड 17 चाका में बताया जाता है। कॉलोनी से गुजरने वाला मुख्य मार्ग वार्ड एक में है या 17 में, किसी को नहीं पता। जब भी मार्ग के मरम्मत की मांग उठती है, दोनों वार्ड के पार्षद 'हमारा नहीं, हमारा नहीं' कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। अब तो पार्षद सड़क के मुद्दे पर बात भी नहीं करना चाहते।

सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं, गिट्टियां बिखरी पड़ी हैं। क्षतिग्रस्त सड़क पर जलजमाव के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। –अभिषेक जायसवाल

सड़क की समस्या काफी समय से है। महाकुम्भ के दौरान रूट डायवर्जन के कारण भारी संख्या में वाहन यहां से गुजरे, जिसके चलते सड़क खराब हो गई। –अतुल विजय द्विवेदी

सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढों में गंदा पानी भरा रहता है। लोगों को गंदे पानी के बीच आवागमन करना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चे काफी परेशान होते हैं। –दिनकर प्रताप सिंह

सड़क पर कई दिनों से गंदा पानी भरा हुआ है। गंदगी और बदबू के कारण लोग परेशान हैं। जलजमाव के कारण यहां मच्छर पनप रहे हैं, जिससे लोग परेशान हैं। –संतोष कुमार सिंह

सड़क के एक बड़े हिस्से में जल निकासी के लिए नालियां नहीं बनाई गई हैं, जिसके कारण गंदा पानी सड़क पर जमा है। गड्ढों के कारण लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। –तरुण चतुर्वेदी

स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है। शाम होते ही सड़क अंधेरे में डूब जाती है। सड़क पर अंधेरे के कारण दुर्घटना और लूट–झपटमारी की आशंका बनी रहती है। –विवेक कुमार पांडेय

यहां बदहाल सड़क से लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने महापौर सहित निगम के जिम्मेदारों से इसकी शिकायत की, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पाया। –जगदीश प्रसाद सिंह

सड़क के गड्ढों के कारण आवागमन में काफी परेशानी होती है, नालियां न होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। सड़क पर गंदा पानी भरा रहता है। –बृजेश सिंह

रात में इस सड़क से गुजरना बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढों में पानी भरा रहता है। स्ट्रीट लाइट न होने से सड़क पर अंधेरा रहता है। –आयुष जैन

नालियां न बनाए जाने से समस्या बढ़ गई है। सड़क का निर्माण करा कर नालियां बना दी जाए तो लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। स्ट्रीट लाइट भी नहीं है। – सुनील कुमार सिंह

सड़क की हालत जर्जर हो गई है। महाकुम्भ में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क बैठ गई है। गड्ढों के कारण लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। –अनिल मिश्र

खस्ताहाल सड़क, जलभराव और स्ट्रीट लाइट की समस्या से लोग परेशान हैं। बारिश हो जाए तो लोग निकल नहीं पाते। शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा।– नितिन द्विवेदी

लोगों के आने–जाने के रास्ते पर गंदा पानी भरा रहता है। यहां से गुजरने वाले लोगों के कपड़े गंदे हो जाते हैं। स्कूली बच्चे किसी तरह यहां से निकलते हैं।– रमाकांत द्विवेदी

सड़क की समस्या से लोग परेशान हो गए हैं। कई बार शिकायत के बाद भी न जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे हैं न ही नगर निगम के अधिकारी, इससे समस्या बनी हुई है।– मोहनलाल सिंह

मुख्य मार्ग से हजारों लोग रोज गुजरते हैं। जिन्हें सड़क की जर्जर हालत और जलजमाव के कारण काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सड़क और नाली बन जाए तो राहत मिले।– रंजीत कुमार सागर

बोले जिम्मेदार

नैनी की विद्यानगर कॉलोनी में बदहाल सड़क की जानकारी नहीं है। कॉलोनी के लोगों और वहां के पार्षद से संपर्क कर समस्या का पता कर रोड की मरम्मत कराएंगे। रोड का निरीक्षण करने के लिए नगर निगम के अवर अभियंता को कॉलोनी में भेजा जाएगा।–उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, महापौर

- भारी वाहनों की वजह से सड़क पर गड्ढे हो गए हैं।
- नालियां न होने से गड्ढों में पानी भर गया है।
- सड़क बनाने के लिए कोई तैयार नहीं।
- सड़क पर गंदा पानी भरा होने से मच्छर बढ़े।
- कॉलोनी में नालियां नहीं बनाई जा रहीं।
- पार्षद और नगर निगम सड़क बनवाएं।
- पानी निकासी के लिए नालियां बनाई जाएं।
- मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन रोकें।
- कॉलोनी की सभी गलियां पक्की की जाएं।
- आकस्मिक बिजली कटौती बंद की जाए।

बहुत हुआ, अब फाइनल मैच हो जाए...

प्रयागराज। अमे यार, बहुत हो गया। अब भारत को फाइनल कर देना चाहिए। कटरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोपाल बाबू जायसवाल ने जैसे ही पाकिस्तान के बारे में यह टिप्पणी की, बगल में बैठे ललित मोहन गुप्ता ने हामी भरी और बोले कि सही कह रहे हो। जैसे क्रिकेट में भारत ने पाकिस्तान का सफाया किया है, उसी तरह अब समय आ गया है कि एक बार में पाकिस्तान का फाइनल हो जाए। मनमोहन पार्क चौराहे के पास स्थित एक दुकान पर बैठे व्यापारी कुछ इसी तरह चर्चा कर रहे थे। भारतीय सेना की तारीफ करते हुए गिरिश गुप्ता बोले कि अब पाकिस्तान के चार टुकड़े होने वाले हैं, जिसके बाद पाकिस्तान वैसे ही साफ हो जाएगा। बीच में भानू बोले कि बलूचिस्तान के टुकड़े करने जरूरी है, जहां से आतंकी जहर उगल रहे हैं। कन्हैयाजी ने कहा कि बार–बार हो रहे आतंकी घटना से पूरा विश्व परेशान है। प्रमेश जैन ने कहा कि अब अगर पाकिस्तान ने दोबारा कोई गलती की तो वह आगे गलती करने के लायक नहीं बचेगा। संदेश चंद्र भी चर्चा में शामिल रहे।

सिंदूर सिर्फ़ साज नहीं, ये भारत की शान है...

प्रयागराज। सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोशल मीडिया पर देशभक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार तड़के जैसे ही ऑपरेशन की खबर सामने आई, लोगों ने भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देशभक्ति से भरे पोस्ट, शायरी और वीडियो साझा करने शुरू कर दिए। युवाओं से लेकर बुजुर्ग और महिला, हर वर्ग ने सेना के समर्थन में अपना स्टेटस बदला। प्रयागराज के कीडगंज निवासी प्रांजल श्रीवास्तव ने अपने फेसबुक स्टेटस में लिखा कि आज गर्व से कहना चाहता हूं कि मैं उस देश का नागरिक हूं, जिसकी सेना दुश्मन को उसी की भाषा में जवाब देना जानती है। ऑपरेशन सिंदूर सच्ची श्रद्धांजलि है उन वीरों को जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कई व्हाट्सएप ग्रुप में सिंदूर सिर्फ़ साज नहीं, ये भारत की शान है..., सेना ने जो किया, वो दुश्मन के लिए तूफ़ान है। जैसी देशभक्ति से भरी पोस्ट्स और हैशटैग्स जैसे ऑपरेशन सिंदूर और भारत माता की जय फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर ट्रेंड करने लगे। कई लोगों ने अपने

डीपी पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाया, तो कुछ ने सेना को सलामी देते हुए वीडियो और पोस्ट साझा किए। भोर होने से पहले ही सोशल मीडिया पर आतंकवाद के खिलाफ जनभावनाएं उमड़ आईं। पुलिसकर्मियों ने भी सेना को सलाम किया। लोगों का कहना है कि आज का भारत एकजुट है और सेना की कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि हम सिर्फ सहते नहीं, ज़रूरत पड़ने पर करारा जवाब देना भी जानते हैं। इसके अलावा 1971 की लड़ाई का एक वीडियो भी खूब शेयर किया गया जिसमें पाकिस्तानी सैनिक सरेंडर करते हुए नजर आते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान में ध्वस्त इमारतों का वीडियो भी खूब शेयर किया गया।

पांचवीं के बाद दस लाख बच्चों ने छोड़ दी पढ़ाई

प्रयागराज। प्रदेश के सवा लाख से अधिक परिषदीय स्कूलों में कक्षा पांच के बाद दस लाख से अधिक बच्चों ने छठवीं में दाखिला नहीं लिया। यू–डायस पोर्टल पर पिछले दो शैक्षणिक सत्र के दौरान इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का डाटा नहीं मिलने से बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर परेशान हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने प्रदेशभर के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को लखनऊ तलब करके जवाब–तलब किया है। साथ ही इस अंतर के लिए जिम्मेदार अफसरों और शिक्षकों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि कक्षा पांच के बाद या तो इन बच्चों ने अमान्य स्कूलों में दाखिला लिया जिसके कारण यू–डायस पर इनकी सूचना अपडेट नहीं हुई या फिर प्रधानाध्यापकों ने ही पोर्टल पर प्रवेश संबंधी सूचना अपडेट नहीं की। समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय की ओर से विकास खंडवार भेजी गई सूचना के मुताबिक शैक्षिक सत्र 2023–24 में कक्षा पांच में कुल 2456838 बच्चों ने दाखिला लिया था। इसके अगले साल यानि 2024–25 सत्र में केवल 1419053 बच्चे ही कक्षा छह में पंजीकृत हैं। साफ है कि 1037785 छात्र–छात्राओं का रिकॉर्ड नहीं मिल रहा। सीतापुर–बहराइच में सर्वाधिक अंतर प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं जहां कक्षा पांच से छह में प्रवेश नहीं लेने वाले बच्चों का अंतर 20 हजार से अधिक है। सबसे अधिक अंतर सीतापुर में 32700 और बहराइच में 31805 है।

पारंपरिक कोर्स में मेरिट पर होगा दाखिला

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध मंडल (प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी और फतेहपुर) के 703 कॉलेजों में संचालित होने वाले पारंपरिक पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा। इसमें एमए, एमएससी, एमकाम, एमएसडब्ल्यू जैसे परास्नातक कोर्स शामिल हैं। साथ ही ज्योतिष, कर्मकांड, योग, एनजीओ प्रबंधन, क्रिमिनोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, पर्यटन एवं आतिथ्य जैसे डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी शामिल हैं।

तीन दिवसीय योग कार्यशाला शुरू

प्रयागराज। भरद्वाज पार्क स्थित ज्योति ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेस में गुरुवार को तीन दिवसीय योग कार्यशाला शुरू हुई। इस मौके पर योग गुरु उप्रेती

जीत ने प्रतिभागियों को ध्यान और योगाभ्यास कराया। उन्होंने साधकों को पहले सूर्य नमस्कार कराया। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए का योग शारीरिक, मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। संस्थान के प्रमुख वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. भाष्कर बनर्जी ने कहा कि योग शिविर 10 मई तक चलेगा। योग शिविर में रक्त की जांच निरुशुल्क की जाएगी।

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 31 मई से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा जून–2025 का आगाज 31 मई से होगा। परीक्षा की तैयारी को मूर्त रूप देने में विश्वविद्यालय प्रशासन शिद्दत से जुटा है। परीक्षाओं की निगरानी के लिए विश्वविद्यालय परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। मुक्त विवि स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसमें दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम पूर्व में ही जारी कर दिया था। पूर्व प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षा 15 मई से शुरू होनी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से अब 31 मई से आयोजित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, सूबे के 100 से ज्यादा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। विलंब शुल्क (1000 रुपये प्रति प्रश्नपत्र) के साथ विश्वविद्यालय में बैंक परीक्षा के लिए फार्म अभी भर जा रहे हैं। परीक्षा के बाद अध्ययन केन्द्रों की ओर से परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट) को परीक्षा विभाग भेजना होगा। जिसकी अंतिम तिथि जल्द जारी की जाएगी। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि परीक्षा 31 मई से शुरू होगी। इसके लिए तैयारी अंतिम दौर में है। कितने केंद्रों पर, परीक्षार्थी कितने होंगे, इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

व्यापारियों की आवाज़ व्यापार मंडल मुज़फ्फरनगर द्वारा देश हित में खतरे के समय बजने वाला सायरन किया गया भेंट

मुजफ्फरनगर। जनार्दन विश्वकर्मा जिला महामंत्री ओर विजय बाटा नगर महामंत्री मे संयुक्त रूप से जानकारी दी कि आज हिन्दुस्तान के वीर सैनिक अपने शौर्य ओर बहादुरी से पाकिस्तान के छक्के छुड़ा रहे है ऐसे मै हर भारतीय को देश की सरकार ओर सेना का बढ़ चढ़ कर सहयोग करना चाहिएं इसी मुहीम मै हमारे

जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता जी के सहयोग से आपातकालीन स्थिति मै बजने वाला सायरन देश हित मै सहयोग हेतु पुलिस को बिंदल बाजार हेतु आपातकालीन सायरन यंत्र भेट किया गया जिसे किसी आपात कालीन स्थिति मै बजा कर जनता को जागरूक किया जा सके ओर सभी व्यापारी भाइयो से अपील की इस परीक्षा की घड़ी मै देश देश की सेना ओर सरकार का सब तन मन धन से पूरा सहयोग करे बॉर्डर पर हमारे वीर सैनिक अपना फर्ज़ निभा रहे है देश के अंदर सहयोग कर हमें अपना फर्ज़ निभाना चाहिए! मुख्य रूप से शलभ गुप्ता जिलाध्यक्ष, जनार्दन विश्वकर्मा महामंत्री, राजेश भाटिया जिला सह महामंत्री, विजय बाटा नगर महामंत्री, अंकुर जैन न्यू मंडी इकाई अध्यक्ष रहे मौजूद!

अवैध प्लाटिंग निर्माण को ध्वस्त किया गया

मुजफ्फरनगर। विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र जोन–4 थाना कोतवाली क्षेत्र में श्रीमती कविता मीना, उपाध्यक्ष, मु०वि०प्रा० के आदेशों के अनुपालन में आज दिनांक 09.05.2025 को अवैध भू–स्वामी/प्लॉटिंगकर्ता श्री नरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, शिवकुमार पुत्रगण श्री जयचन्द व नरेन्द्र कुमार पुत्र टीकाराम द्वारा स्थल–खसरा नं0–524 बुढाना रोड, इन्डाना फैक्ट्री के सामने, मुजफ्फरनगर में लगभग 20 बीघा एवं श्री राजेश कुमार सैनी अशोक कुमार सैनी पुत्रगण प्रकाश सैनी द्वारा स्थल–खसरा नं0–373 चरथावल रोड

निकट शनि मन्दिर रोड, मुजफ्फरनगर में लगभग 04 बीघा भूमि में अनाधिकृत रूप से (प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये बिना) अवैध प्लॉटिंग के निर्माण को विकास प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त किया गया। उक्त अवैध प्लॉटिंग के विरूद्ध प्राधिकरण द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किये गये थे। जिसमें चालानी कार्यवाही के उपरान्त पूर्व में ध्वस्तीकरण के आदेश निर्गत किये गये थे, परन्तु अवैध प्लॉटिंग के भू–स्वामियों द्वारा स्थल से अवैध प्लॉटिंग को नहीं हटाया गया था। अतः आज दिनांक 09.05.2025 को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा विकास क्षेत्र जोन–4 थाना कोतवाली क्षेत्र में उक्त 02 स्थल पर लगभग 24 बीघा भूमि पर अवैध रूप से विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई है। अवैध कालोनी के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय प्राधिकरण कार्यालय के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, एवं प्राधिकरण टीम के साथ साथ सम्बन्धित थाने का पुलिस बल भी मौके पर उपस्थित रहा।

होली चाइल्ड कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए 'आत्मविश्वास निर्माण एवं कौशल वृद्धि' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला

ब्यूरो–अमजद रजा

मुजफ्फरनगर। होली चाइल्ड पब्लिक इण्टर कॉलेज, जडौदा, मुजफ्फरनगर के सभागार में विद्यार्थियों के लिए 'आत्मविश्वास निर्माण एवं कौशल वृद्धि' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिन दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ कोच एवं ट्रेनर पब्लिक स्पीकिंग मुख्य वक्ता ऑथर शैरी, कुलविन्दर कौर, प्रधानाचार्य प्रवेन्द्र दहिया, चौयरमेन रीटा दहिया, धीरज बालियान एवं रजनी शर्मा के द्वारा किया गया।

एंकर–इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में मंच कुशलता के विकास में वृद्धि करना एवं अपनी योग्यता को बढाना है। आत्मविश्वास का निर्माण करने में आत्मकरूणा का अभ्यास करना, छोटे–छोटे लक्ष्यों को भी निर्धारित करना और उन्हें प्राप्त करने में सफलता पाना तथा नकारात्मक आत्मचर्चा को चुनौती देना शामिल है।

सर्वप्रथम बच्चों को अच्छा वक्ता बनने के गुर बताये गये, जिसमें बताया गया कि अच्छा वक्ता बनने के लिए सबसे पहले एक अच्छा स्रोता बनना बहुत जरूरी है। ऑथर शैरी के द्वारा बच्चों को मंच पर बोलते समय

घबराहट और बैचेनी को दूर करने के लिए मुख्य बिन्दु बताये गये, जो निम्न प्रकार है– जैसे – अपने डर को पहचाना, अपने डर को कोई नाम देना और उसको पहचानकर समाप्त करना, मंच पर बोलते समय स्रोताओं को ध्यान में रखे, अपने स्रोताओं की रूचियों और जरूरतों को समझे और भाषण उनके अनुसार तैयार करें, शारीरिक भाषा का उपयोग करें, जैसे अपने हाथों, चेहरे और आँखों का उपयोग करके अपने भाषण को अधिक प्रभावी बनायें। सार्वजनिक मंच पर बोलने के कौशल में सुधार करने से आप अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकते है और अपने स्रोताओं को प्रभावी कर सकते है एवं मंच पर जाने से पहले अपने मुख्य बिन्दुओं को लिखकर रखे, जिससे विषय से भटकने बच सके। हमेशा मंच पर जाते समय अपने चेहरे पर मुस्कान रखे। बीच–बीच में पब्लिक से सवाल पूछते रहे जिससे पब्लिक की रूचि भाषण में बनी रहें।

अंत में ऑथर शैरी ने आत्मविश्वास में वृद्धि करने की शपथ के साथ आज के कार्यक्रम का समापन किया।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने लांन्च की महिंद्रा की ईवी कार

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने शुक्रवार को ग्रीन एण्ड क्लीन वातावरण बनाने के लिए हरित परिवहन को अपनाने की अपील के साथ ही महिन्द्रा कंपनी की इलेक्ट्रिानिक कार को लान्च किया। उन्होंने कहा कि यही ईवी देश का भविष्य हैं। हमें प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए इन वाहनों को अपनाना चाहिए।

एशिया की सबसे बड़ी गुड मंडी नवीन मंडी स्थल कूकड़ा परिसर में लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के फायदों के बारे में जागरूक करने और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी एवं व्यापारी नेता संजय मित्तल के द्वारा महिंद्रा के नए इलेक्ट्रिक मॉडल जैसे एक्सईवी 9ई, और बीई6 ईवी को फीता काटकर लान्च किया गया। उन्होंने गाड़ियों की टेस्ट ड्राइव लेकर आधुनिक तकनीक का अनुभव किया।

इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के फायदों के बारे में जागरूक करना और हरित परिवहन को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर मनीष चौधरी ने महिंद्रा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन हमारे भविष्य के लिए जरूरी हैं और इस तरह के आयोजनों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है। मनीष चौधरी ने ईवी कार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें छह घंटे की चार्जिंग के बाद 500 किमी. से ज्यादा का सफर तय करने की खासियत देने वाली विशेष बैटरी का प्रयोग किया गया है, जिसकी लाइफ की गारंटी कंपनी 15 साल दे रही है। महिंद्रा की टीम ने उपस्थित लोगों को ईवी चार्जिंग, बैटरी तकनीक और वाहन रखरखाव से जुड़ी जानकारी भी सरल भाषा में दी। यह आयोजन महिंद्रा की ओर से पर्यावरण के प्रति एक सकारात्मक कदम रहा। इस अवसर पर अजय भारद्वाज, सेल मैनेजर,नासिर, विवेक चौधरी, विकास आदि मौजूद रहे।

सलाम उन रण बांकुरों को

'सलाम उन रण बांकुरों को'
'जो हिन्द का झंडा थामे हैं'।

'आ रही है हिन्द की सेना'
'रण का बिगुल बजा है अब'।
'कहां छुपेगा कायर निर्लज्ज'
'ऑपरेशन सिंदूर चल पड़ा है अब'।

'झुकना हमने नहीं सीखा है'
'रूकना हमने नहीं सीखा है'।
'हम आगे ही बढ़ते जाएंगे'
'दुश्मन का शीश उड़ाएंगे'।
'नेस्तानामुद कर डालेंगे'
'दुश्मन के होश उड़ादेगें'।
'एक एक शीश के बदले'
'दस दस शीश उड़ाएंगे'।

'अब हिन्द की बढ़ चली सेना'
'हिम्मत है तो कर के देखो सामना'।
'बचना है तो कायरों बच जाओ'
'हमारे सीने में धधकी चिंगारी'।
'भारत की मिट्टी में जन्मा'
'हर वीर सपूत बहादुर है'।
'ताकत का अहसास करा देंगे'
'दुश्मन को मिट्टी में मिला देंगे'।

'मां बहनों की लाज की खातिर'
'दुश्मन का नामोनिशान मिटा देंगें'।
'जब दुश्मनों ने आंख उठाई है'
'दुश्मन सेना ने मुंह की खायी है'।
'ऐ वीरों तुम बढ़ते रहना'
'हर जन साथ खड़ा तुम्हारे'।
'भारत मां की जय बोल रहा'
'जय जय हो हिन्द की सेना'।

मेजर अरविन्द कुमार
मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश

राजधानी में पुलिसवालों की छुट्टियां कैंसिल, सभी को काम पर वापस बुलाया

लखनऊ, संवाददाता। भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच राजधानी लखनऊ में पुलिसवालों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

इस आदेश में संयुक्त पुलिस आयुक्त अमित वर्मा के हस्ताक्षर हैं। मुख्यालय के संयुक्त पुलिस आयुक्त की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है– पुलिस जवानों की सभी तरह की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से बंद की जा रही हैं। जो भी जवान अभी छुट्टी पर हैं, उन्हें ड्यूटी पर वापस बुलाया जाए।

आदेश में यह भी कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में छुट्टी मिल सकती है।

इसके लिए कमिश्नरेट स्तर का कोई भी अधिकारी स्वीकृति नहीं देगा।

सूचना

मैं सुमन देवान पत्नी शरतेंदु कुमार सुशील निवासी बलईपुर बैरगिया, पोस्ट बीरमपुर, जनपद जौनपुर। मेरा पूर्व नाम सुमन था। पर मेरा सही व सत्य नाम आधार कार्ड के अनुसार एवं सुमन देवान (SUMAN DEWAN) लिखा व पढ़ा व पहचाना जाय।

भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा ने स्थापना दिवस मनाया

विवेकानंद के आदर्शों पर चलने वाली भारत विकास परिषद की समाज एवं राष्ट्र के लिए सदैव प्रासंगिकता बनी रहेगी

प्रयागराज। भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा की ओर से स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन होटल प्रयाग इन में किया गया।प्रयाग शाखा के अध्यक्ष राज नारायण अग्रवाल ने मुख्य अतिथि सहित सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अनूप कुमार गोयल ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विकास परिषद की स्थापना भारत चीन युद्ध के समय हुई थी और आज देश पुनः एक युद्ध की ओर अग्रसर है, ऐसे में सदस्यों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। विवेकानंद के आदर्शों पर चलने वाली भारत विकास परिषद जैसी समाजसेवी संस्थाओं की समाज एवं राष्ट्र के लिए सदैव प्रासंगिकता बनी रहेगी, जिसके सदस्य सदैव समाज और राष्ट्र की सेवा तथा उसकी उन्नती के लिए तत्पर रहते हैं और नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार डालने के लिए कटिबद्ध होते हैं।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा की स्मारिका का विमोचन किया गया जिसका संपादन सी ए डॉ नवीन चंद्र अग्रवाल ने किया है। इस स्मारिका के उत्कृष्ट संपादन एवं प्रकाशन के लिए सभी सदस्यों ने डॉक्टर अग्रवाल सहित पिछली कार्यकारिणी के अध्यक्ष डॉ कल्पना अग्रवाल एवं प्रोफेसर विवेक भदोरिया की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। स्मारिका में 1983 से लेकर के अब तक के प्रयाग शाखा के सभी अध्यक्षों की फोटो तथा सभी दायित्वधारीयों के नाम की सूची दी गई है। इसके सभी पृष्ठ पर प्रयागराज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पौराणिक स्थलों की फोटो भी अत्यंत आकर्षक ढंग से दी हुई है। डॉ नवीन चंद्र अग्रवाल ने कहा कि परिषद का दृष्टिकोण है मानव–जीवन के हर पहलू यथा सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में देश का विकास व संवर्धन है जिससे अन्ततोगत्वा भारत स्वस्थ, समर्थ और संस्कारित हो।

प्रयाग शाखा की निवर्तमान अध्यक्ष डॉ अल्पना अग्रवाल ने भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा का परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद,प्रयाग शाखा का गठन 1983 में प्रयाग के कुछ प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों ने किया था। इसमें प्रयाग के हर क्षेत्र से प्रतिष्ठित नाम जुड़े।

नगर के अनेक प्रतिष्ठित न्यायाधीश,अधिवक्ता, डॉक्टर, अध्यापक, व्यवसायी और समाजसेवी परिषद के सदस्य/दायित्वधारी रहे। प्रसिद्ध न्याय मूर्ति श्री जगमोहन लाल सिन्हा इसके प्रथम अध्यक्ष थे। श्री रामेश्वर प्रसाद गोयल, भूतपूर्व एडवोकेट जनरल, उत्तर प्रदेश एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद; डॉक्टर बी एल अग्रवाल, एमेरिटस प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेज इलाहाबाद; मेजर जनरल महेंद्र नाथ रावत, श्री डी.के. भट्टाचार्य, पूर्व अध्यक्ष, उ प्र लोक सेवा आयोग, प्रो वाचस्पति, श्री राम सहाय , डॉ गोपाल जी, निदेशक, चिरंजीवी हॉस्पिटल;डॉ मुरली मनोहर जोशी, प्रोफेसर भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार;श्री श्यामा चरण गुप्ता,पूर्व सांसद, इलाहाबाद ,श्री दयामित्र मांगलिक, उद्योगपति, श्री भरत जी अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय इलाहाबाद, डॉ जी सी अग्रवाल, प्रोवाइसचान्सलर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्री पी के अग्रवाल, उद्यमी एवं पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज प्रयागराज,डॉक्टर जितेंद्र नाथ,प्रसिद्ध डेंटल सर्जन;श्री एच के माहेश्वरी, उद्यमी; चौधरी अमरनाथ सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला; श्री राम सहाय, आई ए एस एवं पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय; डॉ ज्योति भूषण बनर्जी, निदेशक, विकलांग केंद्र; डॉ जे के मिश्रा, प्रसिद्ध हार्ट सर्जन;डॉ रमा मिश्रा, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ;श्री चन्द्रमोहन गुप्ता, उद्यमी एवं व्यवसायी;श्री राधे श्याम रस्तोगी, व्यवसायी;विजय नाथ कपूर, व्यवसायी, श्री सूरज प्रसाद अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता आयकर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय; प्रोफेसर बीएम बैजल, श्री अमरनाथ भार्गव सहित अनेक लोग इसके दायित्वधारियों में रहे हैं। वर्तमान में शहर के अनेक प्रतिष्ठित लोग, इस संगठन से जुड़कर समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर शाखा के संस्थापक सदस्य और पूर्व अध्यक्ष श्री चंद्र मोहन भार्गव, सहित अन्य पूर्व अध्यक्षों संरक्षक पी एस मित्तल, आर पी अग्रवाल, डॉ नवीन चंद्र अग्रवाल, आलोक शाह, प्रो उमेश प्रताप सिंह, डॉ अल्पना अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एडवोकेट आरपी अग्रवाल और शाखा अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रं और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जगदीश्वर द्विवेदी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर उमेश प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर पूनम मित्तल, प्रोफेसर अशोक मित्तल, इंद्रेश भार्गव, दिनेश रस्तोगी, डॉ पुरुषोत्तम केसरवानी, एडवोकेट अरुण त्रिपाठी, शरद गुप्ता, डॉक्टर रितेश अग्रवाल साहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

छात्रसंघ नेता अमन जैन ने छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन दिया

मुजफ्फरनगर सआज छात्रसंघ संयुक्त सचिव अमन जैन ने मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक से मुलाकात की और उन्हें छात्रों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए एक 6 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि विश्व विद्यालय ने विषम सेमेस्टर बैक का परिणाम जारी किया है जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों की पुनः बैक दर्शाकर अनुत्तीर्ण किया गया है उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के द्वारा कई बार बैक परीक्षा देने के बाद भी परिणाम ज्यों का त्यों जारी किया जा रहा है। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक से बैक

परीक्षा का पुनर्मूल्यांकन कराते हुए पुनः परीक्षा परिणाम जारी कराने की मांग की है साथ ही विद्यार्थियों की अन्य समस्याएं जैसे माइग्रेशन प्रमाण पत्र का शुल्क कम करने, बहुविकल्पीय आधारित परीक्षा में इसी सेमेस्टर से ओएमआर शीट के साथ स्टूडेंट कॉपी उपलब्ध कराने, बहुविकल्पीय आधारित परीक्षा की उत्तर कुंजी जल्द जारी करने एवं उन पर विद्यार्थियों के द्वारा की गई आपत्तियों का 7 दिवस के अंदर निस्तारण कर पुनः संशोधित उत्तर कुंजी जारी करने, शेष परीक्षा परिणाम शीघ्र अति शीघ्र जारी करने और विद्यार्थियो के द्वारा विश्व विद्यालय में माइग्रेशन जमा करने के बाद भी उनके परिणाम में डिटैंड आने जैसी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने आदि छात्र हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक प्रो राजीव कुमार ने सभी मांगों पर विचार विमर्श कर छात्र हित में सकारात्मक निर्णय लेने एवं समाधान कराने का आश्वासन दिया।

सम्पादकीय........

जोश और संयम

आखिरकार पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके न केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ी है बल्कि बड़बोले पाकिस्तान के दंभ को भी तोड़ा है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। साथ ही सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश ही दिया है। बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है। लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ कि हम कभी नागरिक को निशाना नहीं बनाएंगे। गीता के उस संदेश का अनुपालन कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जब युद्ध अपरिहार्य हो, तो फिर युद्ध लड़ना धर्म बन जाता है। पिछले दिनों देश में शीर्ष सैन्य नेतृत्व की सक्रियता और प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के बयान इस सधी हुई कार्रवाई के संकेत दे रहे थे। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ मानवता के सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाना चाहिए। हमने बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद इस कार्रवाई को तब अंजाम दिया जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें भी जवाब दे दिया है जो भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिये किए जा रहे सैन्य व कूटनीतिक उपक्रमों को लेकर सतही बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस बार बालाकोट के यथार्थ की तरह सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार के हमले के तमाम फोटो–वीडियो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रहे हैं। बिहार की जनसभा में प्रधानमंत्री ने चेताया भी था कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि फिर वे ऐसा दुस्साहस न कर सकें। साथ ही गृहमंत्री ने कहा था कि जैसे जनता चाहती है, वैसा ही होगा। सचमुच वैसा ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सीमित युद्ध की रणनीति व अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति सटीक रही। निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वभर के तमाम अमन पसंद देशों की मोहर लगनी ही चाहिए। कौन नहीं जानता कि अमेरिका, इस्राइल समेत तमाम अनेक यूरोपीय देश अपने विरुद्ध किसी भी आतंकवादी हमले के सूत्रधारों को कुचलने में कभी विलंब नहीं करते। आज इस कार्रवाई के बाद अमेरिका व चीन समेत तमाम विश्व शक्तियों को भारत–पाक को एक तराजू में रखकर नसीहतें देने की बजाय ईमानदारी से शांति व मानवता के पाले में खड़ा होना होगा। साथ ही भारतीय नागरिक के रूप में एक बड़ी सोच के साथ हमें इस सर्जिकल स्ट्राइक पर युद्ध उन्माद का जश्न मनाने के बजाय संयम से आतंक के दमन के रूप में देखना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सर्जिकल स्ट्राइक ने देश के आहत मर्म पर सांस्कृतिक और भावनात्मक मरहम भी लगाया है। यह बताया गया है कि विवाहिताओं द्वारा लगाए जाने वाला सिंदूर महज दिखावटी रस्म नहीं है। यह प्यार और रिश्तों में निरंतरता का पर्याय भी है। जब आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 पुरुषों की हत्या करके उनकी जीवन संगिनियों का सिंदूर पोंछा था, तो उस सिंदूर के मिटने के दर्द को पूरे देश ने गंभीरता से लिया। खासकर उस विवाहिता का दर्द जिसके हाथ की मेहंदी फीकी भी नहीं पड़ी थी। उसके दुरुख को पूरे देश ने महसूस किया और आतंक की धरा को नेस्तनाबूद करने के लिये ही 'सिंदूर ऑपरेशन' को अंजाम दिया गया। निस्संदेह, पहलगाम आतंकी हमले के शिकार लोगों की विधवाओं का विलाप कालांतर राष्ट्रीय चेतना का पर्याय बन गया। इस अभियान ने दर्शाया कि आतंकवाद का विरोध केवल भू–राजनीतिक ही नहीं है बल्कि यह रिश्तों, घरों और शांति की भी रक्षा करता है। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी से देश को रूबरू कराने के लिये आयोजित प्रेस वार्ता को महिला अधिकारियों कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने संचालित किया।

पाकिस्तान को माकूल जवाब

डॉ. दीपक पाचपोर

भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन का विवरण देते हुए सुबह दिल्ली में बुलाई एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पड़ोसी मुल्क के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया और तब तक किसी भी नागरिक के मारे जाने की खबर नहीं थी।

मंगलवार–बुधवार की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने बेहद पेशेवराना अंदाज में पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकियों के 9 ठिकानों को उड़ाकर रख दिया। बड़ी संख्या में दहशतगर्दों को मौत की नींद सुलाने वाले ऑपरेशन सिंदूर के जरिये उन निर्दोषों को न्याय दिया गया जो कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गयी अंधाधुंध फायरिंग में मारे गये थे। उस कायराना और अमानवीय आतंकी कार्रवाई में कई सुहाग उजड़े थे। सम्भवतरू इसीलिये इस ऑपरेशन को सिंदूर नाम दिया गया। सेना ने यह कार्रवाई बुधवार तड़के में और बुधवार शाम को ही युद्धाभ्यास के रूप में भारत 244 जिलों में अपने नागरिकों को बचाने के लिये सामूहिक मॉक ड्रिल करने जा रहा था। बुधवार की शाम को यह सफलतापूर्वक किया भी गया। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन का विवरण देते हुए सुबह दिल्ली में बुलाई एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पड़ोसी मुल्क के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया और तब तक किसी भी नागरिक के मारे जाने की खबर नहीं थी। हालांकि आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों के मारे जाने की खबर खुद मसूद अजहर के हवाले से ही आई है। वहां से कुछ आम नागरिकों के घायल होने की अपुष्ट खबरें भी हैं जो वायरल वीडियो के जरिये पहुंची हैं। इस जवाबी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा से सटे पूंछ इलाके में फायरिंग किये जाने के समाचार मिले हैं जिनमें 10 भारतीयों के मारे जाने तथा कुछ लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। भारतीय सेना के तीनों अंगों की यह संयुक्त कार्रवाई इसलिये काबिले–तारीफ है कि इससे विश्व बिरादरी को कहीं भी शिकायत या आपत्ति दर्ज करने का मौका नहीं मिला है। पाकिस्तान के पास भी इसलिये कहने को कुछ भी नहीं रह जाता क्योंकि जिन ठिकानों को हमलों के जरिये नेस्तनाबूद किया गया वे सटीक जानकारी के आधार पर उड़ाये गये हैं और यह पहले से साबित हो चुका था कि उन ठिकानों से चरमपंथी भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं। पहलगाम घटना का सबक भारतीय सेना ने आतंकियों को अच्छी तरह से सिखा दिया। पाकिस्तान के पास भी विरोध के नाम पर कुछ कहने को रह नहीं जाता इसलिये अब वहां से सुलह और शांति की बातें सेना की ओर से आ रही हैं। पाकिस्तानी सेना के अफसर जानते हैं कि पहलगाम घटना के बाद विश्व सहानुभूति भारत के साथ है। दूसरे, इस वक्त उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इस घटना को बड़ी लड़ाई में तब्दील करने का दुस्साहस करे। यदि वह ऐसा करता है तो यह उसकी वैसी ही भूल होगी जो वह 1999 में कारगिल तथा उसके पहले तीन बार पूर्ण युद्ध छेड़कर कर चुका है। हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी। बेशक, हर बार की ही तरह इस वक्त भी भारत का ही पलड़ा भारी है लेकिन उसे भी युद्ध से बचना होगा। इस कार्रवाई से देश के अंदर आतंकियों के खिलाफ जो असंतोष व नाराजगी बनी थी, उसे मिटाने में सरकार को काफी हद तक सफलता मिल गयी है। जो चीन लड़ाई की स्थिति में पाकिस्तान के साथ खड़ा होने की बात कर रहा था, उसके पास भी कोई कारण और अवसर नहीं रह जाता है कि वह पाक को समर प्रांगण में ढकेले। पाकिस्तान से भी इसी आशय के संकेत मिल रहे हैं कि चीन का साथ मिलने के बावजूद पाकिस्तान युद्ध से बचेगा। दूसरे, अगर वह लड़ाई छेड़ता है तो माना जायेगा कि वह आतंकवादियों का इस हद तक समर्थन करता है कि उसके लिये लड़ाई तक छेड़ सकता है। पहले भी उस पर दहशतगर्दों को पनाह देने और अपनी धरती का इस्तेमाल करने देने के आरोप लगते रहे हैं। उसे इस मामले में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आलोचना झेलनी पड़ी है, परन्तु पाकिस्तान अक्सर यह कहकर खुद को बचा लेता है कि वह स्वयं आतंकवाद से पीड़ित है। हालांकि उसकी बातों में आंशिक सच्चाई तो है कि पाकिस्तान में भी ये आतंकवादी कार्रवाइयां करने से बाज नहीं आते, जिनमें उसके अपने नागरिक अक्सर मारे जाते हैं। फिर भी उसे आतंकवाद को प्रश्रय और सहायता देने के आरोपों से पूरी तरह मुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आतंकियों के सफाये के लिये वह उस संजीदगी व सघनता से काम नहीं करता, जैसा कि अपेक्षित है। पाकिस्तान के कट्टरपंथी धार्मिक व राजनीतिक नेताओं, सेना एवं आईएसआई की मिलीभगत से ऐसा होता है– इससे भी सहमत हुआ जा सकता है। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही यह कह दिया था कि भारत व पाकिस्तान दोनों ही उनके करीब हैं। वे यह भी मानते हैं कि दोनों देश अपनी समस्या को मिलकर सुलझा सकते हैं। इसका साफ अर्थ है कि फिलहाल अमेरिका बीच में नहीं पड़ेगा लेकिन चाहेगा कि दोनों देश लड़ाई–झगड़े में न पड़ें। भारत को जो हासिल करना था, वह उसने कर लिया है। अब उसे इसलिये भी इस मामले को जल्दी समेट लेना चाहिये क्योंकि अभी ज्यादातर देश उसके साथ हैं। कम से कम कोई विरोध में आता नहीं दिख रहा है। चीन जो पाकिस्तान के साथ आने की बात कह रहा था, उसके पास अब कोई कारण नहीं रह गया है। यदि आतंकवाद से लेकर किसी भी मुद्दे पर पाकिस्तान कोई चर्चा करना चाहता है या इस मसले को विराम देना चाहता है, तो भारत को भी सकारात्मक प्रतिसाद देकर मामले को खत्म करना चाहिये। बेशक वह ऐसा करने के पहले पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दे।

मंगलसूत्र के बाद सिंदूर, नाम में बहुत कुछ रखा है

सर्वमित्रा सुरजन

शेक्सपियर साहब भारत में होते तो शायद कभी न लिख पाते कि नाम में क्या रखा है, क्योंकि यहां तो बड़े सियासी खेल नाम के बूते ही खेले जाते हैं। दुश्मनों को जवाब देने में भी कौन से नाम का क्या असर पड़ेगा, इसकी रणनीति भी तैयार होती है। तो कम से कम भारत के संदर्भ में देखें तो नाम में बहुत कुछ रखा है। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान में बने 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया तो उसके लिए नाम चुना गया ऑपरेशन सिंदूर। भारतीयों के लिए सिंदूर महज एक रासायनिक पदार्थ वर्मिलियन नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक, धार्मिक और भावनात्मक महत्व है। हिंदू धर्म में बिना सिंदूर के विवाह संपन्न नहीं होता और विवाहिताएं तब तक सिंदूर लगाती हैं, जब तक उनका सुहाग बना रहता है, यानी जब तक पति जीवित है, विवाहिता मांग में सिंदूर भरती है। लेकिन पति की मौत के बाद सिंदूर नहीं लगाया जाता, इसलिए विधवा होने के लिए मांग उजड़ना जैसे मुहावरों का इस्तेमाल होता है। पौराणिक कथाओं में देवियों के श्रृंगार में सिंदूर शामिल था ही, लेकिन ऐतिहासिक तौर पर देखें तो गुप्त काल (लगभग 320–550 ई.) तक सिंदूर विवाह अनुष्ठानों से पूरी तरह जुड़ गया। हमारी फिल्मों में कई भावुक दृश्यों में सिंदूर के जरिए नारी शक्ति या सुहाग की ताकत को दिखाया गया। फिल्म ओम शांति ओम का तो संवाद ही बेहद चर्चित हो गया था, जिसमें दीपिका पादुकोण कहती हैं– एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो रमेश बाबू, ईश्वर का आशीर्वाद होता है एक चुटकी सिंदूर, सुहागन के सिर का ताज होता है एक चुटकी सिंदूर, हर औरत का ख्वाब होता है एक चुटकी सिंदूर। इस फिल्म के लिए मयूर पुरी ने जब ये संवाद लिखा होगा तो उन्हें अनुमान भी नहीं रहा होगा कि यह न केवल कई मौकों पर अलग–अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जाएगा, बल्कि लगभग 2 दशक बाद इसे आतंकवाद का जवाब देने पर भी दोहराया जाएगा। इसी फिल्म में मयूर पुरी ने एक और संवाद लिखा था कि पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। और बुधवार को यह संवाद भी लोगों को याद आ गया जब पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे ने ट्वीट किया कि पिक्चर अभी बाकी है। दरअसल जनरल मनोज नरवणे ने संकेत दिए कि पाकिस्तान को अभी पहला सबक ही सिखाया है, अभी इसके आगे आतंकवाद के कई और अड्डे भी तबाह होंगे। आगे और किस तरह के नामों के तहत सैन्य कार्रवाई होगी, ये देखना होगा। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर का नाम रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बता दिया कि राजनैतिक चतुराई और रणनीतिक कौशल उनमें कूट–कूट कर भरा है। याद कीजिए, लोकसभा चुनावों के वक्त प्रचार रैलियों का, जिनमें नरेन्द्र मोदी ने मंगलसूत्र छीनने का आरोप विपक्ष पर लगाया था और महिला मतदाताओं को यही कहकर अपनी तरफ करने की कोशिश की थी कि भाजपा ही है जो उनके मंगलसूत्र की रक्षा कर सकती है। श्री मोदी के ऐसे बयानों की पर्याप्त आलोचना हुई और सवाल उठे कि वे किस तरह मंगलसूत्र को चुनावी मुद्दा बना सकते हैं। अब मंगलसूत्र के बाद नरेन्द्र मोदी ने सिंदूर का प्रतीक अपनी रणनीति में शामिल किया है और कमाल देखिए कि इस बार विपक्ष सवाल नहीं उठा रहा, बल्कि सरकार के साथ खड़े होने का दावा कर रहा है। ऐसा होना भी था, क्योंकि विपक्ष आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ है। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर न रखकर अ ब स कुछ भी रखा जाता, तब भी विपक्ष का रवैया यही रहता। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने सिंदूर नाम के ऑपरेशन से दूरगामी बाजी जीतने का दांव चल दिया है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने पुरुषों को खास तौर पर निशाना बनाया था और खबरें थीं कि उनसे धर्म भी पूछा गया था। इस लिहाज से व्याख्या करें तो हिंदू स्त्रियों की मांग से सिंदूर उजाड़ने का काम आतंकियों ने किया और इसका जवाब देते हुए ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने आतंकियों के ठिकानों को उजाड़ दिया। दो हफ्तों से देश इंतजार कर रहा था कि कब सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी। इस इंतजार में देश के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का बहाना विघ्नसंतोषियों को मिला और कई कश्मीरी नागरिकों व मुस्लिमों को जबरन प्रताड़ित किया गया। इस पर शहीद नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपील भी की थी कि आतंकियों से बदला लें, लेकिन किसी भी धर्म के नाम पर न सताएं। गौरतलब है कि हिमांशी नरवाल पहलगाम हमले में विधवा हुई थीं, 16 अप्रैल को उनका विवाह हुआ था और 22 अप्रैल को उनके पति को आतंकियों ने मार दिया। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई, जिसमें वे स्तब्ध अपने पति के शव के पास बैठी हैं। लेकिन इस घटना के बाद भी हिमांशी नरवाल ने हिम्मत का परिचय दिया और अपना दर्द बर्दाश्त करते हुए यही अपील की कि किसी निर्दोष को दर्द न मिले। कायदे से इस बात पर उनकी जी खोलकर सराहना होनी चाहिए थी लेकिन कुंठित सोच और नफरती कुनबे में बदल रहे समाज की तरफ से उन पर ऐसे–ऐसे लांछन लगाए गए जिनकी निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं। विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा में जब हिमांशी नरवाल लोगों से मिल रही थीं तो उनके चेहरे पर जूम कर वीडियो बनाए गए कि उनकी आंखों में दर्द नहीं है। किसी ने लिखा कि ये इतनी आराम से कैसे खड़ी है, जबकि इसका सुहाग उजड़े 20 दिन भी नहीं हुए। एक ट्रोलर ने तो हिमांशी पर आतंकियों से मिले होने तक का बेहूदा इल्जाम लगा दिया कि अपने पति को मरवाने में उसने साथ दिया और अब सरकार से मुआवजा लेकर वह अपने किसी कश्मीरी दोस्त से शादी कर लेगी। यानी जिसकी जैसी मर्जी हुई उसने हिमांशी नरवाल पर कीचड़ उछाला। हालांकि ऐसा करने वालों से ये नहीं देखा कि उन्होंने कितनी हिम्मत से अपने दर्द को समेटा है और समाज को एकजुट रखने की अपील की है। यह देखकर काफी अफसोस हुआ कि हरियाणा या केंद्र की भाजपा सरकार के किसी व्यक्ति ने ऐसे ट्रोलर्स को गलत नहीं कहा या खुलकर हिमांशी नरवाल के साथ वे खड़े हुए। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी ट्वीट कर टोलर्स की बात को गलत तो कहा, लेकिन सरकार ने ऐसी कोई अपील नहीं की कि हिमांशी नरवाल पर कीचड़ उछालने वालों के सोशल मीडिया एकाउंट पर प्रतिबंध लगे। क्या ऐसे लोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा नहीं था, यह सवाल अब भी सरकार के सामने है। बहरहाल मंगलवार को हिमांशी नरवाल से मिलने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनके करनाल स्थित घर पहुंचे। और मंगलवार की आधी रात को ही जब ऑपरेशन सिंदूर किया गया तो इसे हिमांशी समेत उन तमाम महिलाओं की उजड़ी मांग का बदला माना गया, जिनके पति पहलगाम हमले में मारे गए। इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर इस कार्रवाई के लिए एक सटीक नाम माना जा रहा है और यहां श्री मोदी ने अपने रणनीतिक अंक बढ़वा लिए हैं। इस ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देश और दुनिया को जब बुधवार सुबह औपचारिक तौर पर दी गई तो इसमें भी विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विस्तृत जानकारी दी कि किस तरह पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को चिह्नित किया गया, किस ठिकाने पर कौन से आतंकी संगठन का अड्डा था और पूरे ऑपरेशन में कितना वक्त लगा आदि। सेना और सरकार की तरफ से यह भी एक माकूल कदम था कि दो महिला सैन्य अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई। हालांकि सेना में धर्म की पहचान गौण हो जाती है और कर्तव्यपरायणता ही सर्वोपरि रहती है, लेकिन फिर भी कर्नल सोफिया कुरैशी का सामने होना पाकिस्तान को कड़ा संदेश था और साथ ही देश के भीतर बैठे उन अराजक तत्वों को भी नसीहत थी कि धर्म के आधार पर विभाजन करने की कोशिश न की जाए, क्योंकि जब दुश्मनों को जवाब देने की बारी आती है तो भारतीय सेना में शामिल सारे धर्मों के लोग एक साथ मिलकर जवाब देते हैं। सोफिया का मतलब होता है बुद्धि और व्योमिका मतलब है आकाश की बेटी या आकाश में रहने वाली और दिलचस्प संयोग रहा कि भारतीय सेना ने बुद्धि और साहस दोनों के मेल से आकाश के जरिए ही आतंकियों को सबक सिखा दिया है। भारतीय संदर्भ में नाम कई तरह से प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो ही जाता है, इसलिए शेक्सपियर कम से कम यहां नहीं लिख पाते कि गुलाब को गुलाब न कहो, तब भी वह खुशबू देगा।

भारत पहले सिंधु नदी के जल पर देश के वास्तविक नियंत्रण की तैयारी करे

अंजन रॉय

पानी में आसानी से आग लग सकती है। जब सिंधु नदी के जल की बात आती है, तो हम देख रहे हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है – कम से कम अभी के लिए, मौखिक रूप से ही सही, विशेषकर भारत द्वारा सिंधु जलसंधि को निलंबित करने के बाद। यह एक व्यापक सशस्त्र संघर्ष का केंद्र भी बन सकता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ गंभीर विचार भी हैं। एक व्यापक या लंबे समय तक चलने वाले युद्ध से बचना भारत के हित में है, क्योंकि इससे भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी से उतर सकती है। युद्ध से उच्च राजकोषीय घाटा, या आर्थिक नीति की बाध्यताओं से ध्यान भटकाना, विकास प्रक्रिया को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है। भारत के लिए पाकिस्तान को दंडित करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि वह देश को आर्थिक रूप से भूखा रखे और उसके अंतिम आर्थिक दिवालियापन की ओर बढ़ाये, ताकि नागरिक जीवन पर सेना की पकड़ ढीली हो जाये। सिंधु जल संधि की बात करें तो जल संधि को स्थगित रखना अच्छी बात थी, लेकिन वास्तव में इसे लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं कहानी की असली कहानी है। अब ऐसी खबरें हैं कि भारत बगलिहार बांध का उपयोग करके चिनाब नदी के प्रवाह को रोकने का प्रस्ताव रखता है। चिनाब एक पश्चिमी नदी है और संधि के तहत भारत केवल कुछ सीमित तरीकों से इसका उपयोग कर सकता है। यह एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना है, जिसका अर्थ है कि केवल सीमित उपयोग। बगलिहार में 900 मेगावाट क्षमता का पनबिजली स्टेशन है। लेकिन इसकी भंडारण क्षमता सीमित है। ट्रे को अलग रखना और इसके पानी को मोड़ना वास्तव में पाकिस्तान की नस को काटना हो सकता है। देश अपने अस्तित्व के लिए इन पानी के उपयोग पर पूरी तरह से निर्भर है। लेकिन यह निर्णय आतंकवादी राज्य को तभी नुकसान पहुंचा सकता है जब पाकिस्तान में पानी का प्रवाह वास्तव में रुक जाये। इसका मतलब है कि भारत के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वास्तविक बुनियादी ढांचा और साधन होने चाहिए। सिंधु जल प्रणाली की पश्चिमी नदियां, साथ ही भारत से होकर बहने वाली पूर्वी नदियां, गर्मियों के महीनों में भारी मात्रा में पानी प्राप्त करती हैं, जब ग्लेशियर और हिमालय के ऊपरी हिस्से पर अधिक तापमान होने लगता है। हिमालय की पिघलती बर्फ नदियों में लाखों क्यूसेक पानी छोड़ती है। भौगोलिक रूप से हिमालय को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शीतल जल भंडार माना जाता है, अन्य दो हैं दोनों ध्रुवीय क्षेत्र, उत्तरी ध्रुव और अंटार्कटिका। सर्दियों के महीनों में गिरने वाली और जमने वाली बर्फ, उपमहाद्वीप में इन गर्म महीनों में पिघलने लगती है। सिंधु जल प्रणाली में छह नदियां हैं, पूर्वी नदियां, ब्यास, सतलुज और रावी ये भारत की ओर जाती हैं। सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान के हिस्से में आती हैं। पश्चिमी नदियों को पिघलते हिमालय से भारी मात्रा में पानी मिलता है।लेकिन इन नदियों के ऊपरी इलाकों में पूरे मौसम में बढ़ते पानी को संग्रहित करने के लिए बहुत कम बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। उन्हें रोके रखने से विनाशकारी बाढ़ आ सकती है और झरने के प्रवाह के विभिन्न स्तरों पर दबाव पड़ सकता है। इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता होगी, जिसके लिए हाइड्रोलॉजिकल क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी। जहां तक आम जानकारी है, वर्तमान में समग्र प्रवाह के किसी भी महत्वपूर्ण हिस्से को संग्रहित करने के लिए ऐसा बहुत कम बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। 1960 के बाद से, हमने उच्च जल प्रवाह के मौसम में प्रवाह के कुछ हिस्सों को संग्रहित करने के लिए ऐसी कोई योजना पर ज्यादा विचार नहीं किया है। ऐसी कोई भी सुविचारित योजना बहुत बड़ा अंतर ला सकती थी। सिर्फ पाकिस्तान को दंडित करने के लिए नहीं, क्योंकि यह इस रणनीतिक सोच का केवल एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। ये पानी उत्तरी भागों में कृषि और खेती की गतिविधियों के साथ–साथ घरों में अच्छे पेयजल की आपूर्ति के लिए भी बहुत बड़ा अंतर ला सकते थे। अब, जब हम देख रहे हैं कि ये पानी क्या रणनीतिक हथियार हो सकते हैं, तो ऐसे कार्यक्रम के लिए एक एकीकृत योजना के बारे में सोचने का समय आ गया है। इसके लिए न केवल तकनीकी क्षमताओं और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि बहुत अधिक धन की भी आवश्यकता होगी। हमारे ज्ञान के लिए, हम पहले से ही देख रहे हैं कि चीन किस तरह से बहु–देशीय एशियाई नदियों के ऊपर सुविधाओं का निर्माण कर रहा है ताकि हिमालय की ऊपरी पहुंच में एक विशाल जल संसाधनों का दोहन और उपयोग किया जा सके। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि चीन पहले से ही हिमालयी ऊपरी पहुंच में ब्रह्मपुत्र नदी को मोड़ने का काम कर रहा है, जहां यह भारत में प्रवेश करने से पहले पूर्वी हिमालय में एक तीव्र मोड़ लेती है। हमारी आपत्तियों के बावजूद चीन अपने मैदानों और कृषि भूमि को पानी देने के लिए त्सांग पो – ब्रह्मपुत्र का चीनी नाम – को मोड़ने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है। एक बार जब यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो भारत के उत्तर पूर्व के बड़े हिस्से, साथ ही बांग्लादेश भी शुष्क रेगिस्तान में बदल जायेंगे। हालांकि, चीन अन्य देशों के किसी भी विरोध पर ध्यान नहीं देता है। हमें चीन से सीख लेनी चाहिए और सिंधु जल प्रणाली के लिए अपनी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए ताकि इन प्रवाहों से अधिकतम लाभ उठाया जा सके। सिंधु जल प्रणाली के लिए प्रतिस्पर्धा अभी शुरू हुई है। अब जबकि हमने लंबे समय तक प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध कर लिया है, तो योजना और उसके क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। भारत का खून बहने के बजाय,जैसा कि पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने धमकी दी है, नदी पर वास्तविक नियंत्रण हमारे देश भारत के हाथ में होना चाहिए।

अपनी पहली वेब-फिल्म में जल्द नजर आएंगी आयत शेख

> “ आयत शेख का करियर साल २०१७ में बतौर एंकर शुरू हुआ था। उन्होंने अब तक १५० से अधिक बॉलीवुड इवेंट्स, लाइव म्यूजिकल शो और क्रिकेट इवेंट्स को होस्ट किया है। इसके बाद उन्होंने म्यूजिक वीडियो की दुनिया में कदम रखा और 'कमली' से अभिनय की शुरुआत की।

भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का विस्तार जिस रफ्तार से हुआ है, उसने न सिर्फ दर्शकों की पसंद को बदला है, बल्कि नए और प्रतिभाशाली कलाकारों को भी उभरने का मंच प्रदान किया है। ऐसे ही कलाकारों में एक नाम है आयत शेख का, जो अब तक टीवी, म्यूजिक वीडियोज और फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेर चुकी हैं। अब इस साल वह पहली बार एक वेब–फिल्म में लीड रोल निभाते हुए नजर आएंगी। सूत्रों की मानें तो इस वेब–फिल्म की कहानी एक ऐसी महिला के संघर्ष और आत्मबल पर आधारित है, जो जीवन के कई विरोधाभासी पहलुओं से जूझती है कृ परिवार, समाज और खुद की पहचान के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश करती है। फिल्म की स्क्रिप्ट को एक संवेदनशील और यथार्थपरक दृष्टिकोण से लिखा गया है, जिसमें नायिका का किरदार न केवल भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि दर्शकों को सोचने पर मजबूर करने वाला भी है। एक्ट्रेस आयत शेख को इस फिल्म में मुख्य भूमिका देने का फैसला इसलिए किया गया क्योंकि उनकी पिछली भूमिकाओं में उन्होंने गंभीरता और सादगी के साथ अपने किरदारों को जीवंत किया है। आयत शेख का करियर साल 2017 में बतौर एंकर शुरू हुआ था। उन्होंने अब तक 150 से अधिक बॉलीवुड इवेंट्स, लाइव म्यूजिकल शो और क्रिकेट इवेंट्स को होस्ट किया है। इसके बाद उन्होंने म्यूजिक वीडियो की दुनिया में कदम रखा और 'कमली' से अभिनय की शुरुआत की। उनकी कुछ चर्चित म्यूजिक वीडियोज में दिल मेरा (यासेर देसाई के साथ), बिन बोले बेबी तू (जोनीता गांधी की आवाज में), मैं थोड़ा तुम जरा और सबर का जाम शामिल हैं। टीवी की बात करें तो आयत 'सावधान इंडिया' और 'भाबी जी घर पर हैं' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने प्रभावशाली किरदार निभाए। फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 'कीप सेफ डिस्टेंस' और पंकज त्रिपाठी की चर्चित फिल्म 'कागज' में भी अभिनय किया। इसके अलावा, 2022 में रिलीज मलयालम फिल्म हृदयम में भी उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस विविधता भरे अनुभव ने उन्हें एक बहुआयामी कलाकार के रूप में स्थापित किया है, जो हर शैली के प्रोजेक्ट्स में सहजता से ढल जाती हैं।अब जब ओटीटी स्पेस में कंटेंट आधारित और रियलिस्टिक सिनेमा की मांग बढ़ी है, तो अयात जैसे कलाकारों के लिए यह एक आदर्श मंच बन चुका है। आयत ने पहले भी इंटरव्यूज में कहा है कि वह सिर्फ बोल्ड और ग्लैमरस किरदारों के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि उनका लक्ष्य ऐसे किरदार निभाना है जिनमें गहराई और सामाजिक सन्देश हो। वेब–फिल्म के लिए उनके चयन को इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है, जहां निर्माता एक ऐसे चेहरे की तलाश में थे जो किरदार के साथ आत्मीयता रख सके। फिलहाल इस वेब–फिल्म की शूटिंग इस साल के मध्य तक शुरू होने की उम्मीद है और यह एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी। फिल्म के टाइटल और को–स्टार्स को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन यह निश्चित माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट आयत के करियर में एक नई दिशा लाएगा। वेब–फिल्मों के जरिए वह अपने अभिनय की गंभीरता को नए स्तर पर लेकर जाने की तैयारी में हैं। आयत शेखध की यह यात्रा कृ एक एंकर से लेकर टीवी, फिल्मों और अब वेब–फिल्म तक कृ यह दर्शाती है कि अगर लगन और स्पष्ट सोच हो, तो एक कलाकार अपने रास्ते खुद बना सकता है। उनका यह नया प्रोजेक्ट न केवल उनके लिए एक नया मुकाम हो सकता है, बल्कि उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा भी बन सकता है जो इंडस्ट्री में अपने दम पर कुछ कर दिखाने का सपना देखते हैं।

पिता इरफान खान की मौत से टूट गए थे बाबिल, प्रतीक बब्बर बोले–उसका दर्द मैं समझ सकता हूं

दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान हाल ही में अपने एक वीडियो को लेकर खूब चर्चा में आए थे, जिसमें उन्होंने कुछ एक्टर्स का नाम लेते हुए उन्हें रूड बताया था। हालांकि बाद में उनकी मां सुतापा ने खुलासा किया था कि एक्टर मेंटली स्ट्रगल से गुजर रहे हैं। वहीं, अब बाबिल के इस वीडियो को लेकर एक्टर प्रतीक बब्बर ने अपनी बात रखी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रतीक बब्बर ने कहा–इरफान खान का निधन उनकी जिंदगी की बहुत ही अहम उम्र में हुआ। वो टीन थे। मैं अपने कुछ दोस्तों और दूसरे लोगों के साथ इस बारे में बहस करता रहा हूं, जो भी हो, अगर वो खुद को नुकसान पहुंचा रहा है, तो ये गलत है, लेकिन आपको इसे नजरिए में रखना होगा और आपको समझना होगा कि उस लड़के ने क्या–क्या झेला है। बाबिल की मेंटल हेल्थ पर बात करते हुए प्रतीक बब्बर ने कहा–मैं इसे किसी और से ज्यादा समझता हूं। उनके पिता ने इस इंडस्ट्री में किसी और से कहीं ज्यादा हासिल किया और वो क्या खूब एक्टर थे। इसलिए मैं और मेरा दिल उनके लिए दुखी है। मैं कल उसके लिए रो रहा था। मैं ऐसा था कि मुझे पता है कि तुम कैसा महसूस करते हो। मैं एक बच्चा था, मैं एक ऐसे लीजेंड का बच्चा था जो मेरे लिए कभी अस्तित्व में नहीं था। आपको इसे चुटकी भर नमक के साथ लेना होगा कि हम, आप जानते हैं, ये रीजन के साथ आता है, ये पेशे के साथ आता है। प्रतीक बब्बर ने आगे कहा–अगर आप एक पॉपुलर पेरेंट्स के घर पैदा हुए हैं, तो ये बिल्कुल आसान नहीं है। मुझे बाबिल के लिए दुख है। मैं उसके लिए सिर्फ अच्छी कामना करता हूं, मैं उसके लिए सभी प्यार और हीलिंग की दुआ करता हूं और मुझे पता है कि उसके पिता उसका ख्याल रख रहे हैं, मुझे पता है कि वो ऐसा कर रहे हैं।

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चैप्टर 1 के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग शुरू

2022 में रिलीज हुई कंतारा ने पूरे देश में तहलका मचा दिया था। भारत की जड़ों से जुड़ी इस कहानी ने बिना किसी बड़े प्रमोशन के कमाल कर दिखाया और सबसे बड़ी स्लीपर हिट साबित हुई। अब इसी जबरदस्त सफलता के बाद कंतारा चौप्टर 1 की तैयारी जोरों पर है और दर्शक इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।पोस्टर ने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है और फिल्म अपने आप में भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इसी बीच, जबरदस्त इंतजार के बीच कंतारा चौप्टर 1 का फाइनल शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है। कंतारा चौप्टर 1 का आखिरी शेड्यूल आज से शुरू हो गया है। शूटिंग कुंडापुरा से करीब 20 किलोमीटर दूर हो रही है। ये फिल्म अपने फाइनल स्टेज में है और जल्द ही इससे जुड़े और अपडेट्स भी सामने आएंगे। होम्बले फिल्म्स ने 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कंतारा चौप्टर 1 को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए जोरदार मेहनत की जा रही है। इसके लिए मेकर्स ने एक भव्य युद्ध सीन तैयार किया है, जिसे नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट्स की टीम ने मिलकर तैयार किया है। इस सीक्वेंस के लिए 500 से ज्यादा ट्रेन्ड फाइटर्स को हायर किया गया है, जिन्होंने अब तक का सबसे अलग और धमाकेदार एक्शन सीन तैयार किया है। इस पावर–पैक्ड सीक्वेंस में 3000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है। इतने बड़े सीन के लिए जबरदस्त तैयारी की जरूरत थी, इसलिए एक्टर–डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने 3 महीने तक घुड़सवारी, कलारीपयट्टू और तलवारबाजी की खास ट्रेनिंग ली। ऋषभ ने इस दमदार वॉर सीक्वेंस को परफेक्ट बनाने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया है। इस बड़े सीन के लिए मेकर्स ने कर्नाटक के पहाड़ों में एक खास असली लोकेशन चुनी। करीब 25 एकड़ में फैले इस गांव में होम्बले फिल्म्स ने करीब 45–50 दिन तक शूटिंग की। अपनी बेहतरीन कहानी, शानदार विजुअल्स और दिल से दी गई परफॉर्मेंस के साथ कंतारा ने भारतीय सरहदों से भी बाहर के दर्शकों से भी खूब जुड़ाव बनाया। इसकी लोक परंपराओं की सच्ची झलक और बेहतरीन कहानी ने इसे एक बड़ी हिट बना दिया, जिससे फिल्म ने दुनिया भर में एक मजबूत फैनबेस बना लिया है। असल में, कंतारा चौप्टर 1 के साथ फिल्म का स्तर और भी ऊंचा जाने वाला है, जो दर्शकों को एक और ज्यादा दिलचस्प सिनेमा का अनुभव देगा। अब, होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने वाली है।

अर्जुन कपूर हुए इमोशनल, दादी निर्मल कपूर को याद कर किया इमोशनल पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपनी दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। 2 मई को, उनके दादी का 90 साल की उम्र में निधन हो गया था, जिसके बाद से कपूर परिवार गहरे शोक में है। अर्जुन अपनी दादी के काफी करीब थे, और उन्होंने उनकी आखिरी घड़ियाँ अस्पताल में बिताई थीं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी दादी के साथ अपनी कई पुरानी और अनदेखी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं अपने चारों दादा–दादी के बीच पली–बढ़ी और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। पिछले शुक्रवार को जब मैंने दादी को अस्पताल में अलविदा कहा, तो ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरे बचपन का एक हिस्सा और मेरी जिंदगी उनके साथ चली गई। अर्जुन ने आगे लिखा, हमारी जिंदगी में चाहे जितने भी उतार–चढ़ाव आए, हमारे दादा–दादी हमेशा हमें प्यार और मुस्कुराने के कारण देते रहे। उम्र एक क्रूर मालकिन है, लेकिन दादी मेरे लिए हमेशा वैसी की वैसी रहीं। वो हमेशा हमें खाना खिलाती और हमारे बारे में चिंता करतीं। अब वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके बच्चों और पोते–पोतियों के जरिए उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी। अर्जुन ने यह भी बताया कि उनकी दादी उन्हें हमेशा अर्जन के नाम से पुकारती थीं और वह इसके जरिए उनके प्यार और स्नेह को महसूस करते थे। उन्होंने यह भी कहा, हर बार जब हम किसी त्योहार, खाने या किसी कार्यक्रम के लिए एक साथ इकट्ठा होते हैं, तो दादी की यादें हमें हमेशा उनके प्यार और महिमा के बारे में याद दिलाती रहेंगी। अर्जुन कपूर ने अपने दादी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, लव यू दादी...आपका खूबसूरत पोता अर्जन। इस भावुक पोस्ट के जरिए अर्जुन कपूर ने न केवल अपनी दादी के लिए अपनी भावनाओं का इजहार किया, बल्कि अपने परिवार के साथ बिताए गए उन प्यारे लम्हों को भी साझा किया।

रणवीर सिंह, विक्रांत मैसी, कंगना रनौत सहित तमाम सितारों ने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की

पाकिस्तान ने गुरुवार रात जम्मू–कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में आत्मघाती ड्रोन और मिसाइल दागकर हमले किए, जिन्हें भारत की एस–400 एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली ने नाकाम कर दिया। इसके साथ ही भारत ने लाहौर और सियालकोट समेत पाकिस्तान के कई शहरों पर जवाबी हमले शुरू कर दिए। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के फैसलाबाद, सरगोधा, मुल्तान और सियालकोट शहरों में रक्षा प्रणाली को भी नष्ट कर दिया। अब बॉलीवुड और साउथ के सितारों ने भारत की जीत पर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में आतंकी शिविरों पर भारत द्वारा रात भर किए गए हमलों पर बॉलीवुड ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता रितेश देशमुख, निमरत कौर और फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने सोशल मीडिया पर भारतीय सेना की सराहना की है।

रितेश देशमुख

"जय हिंद की सेना३भारत माता की जय!!! ऑपरेशन सिंदूर," देशमुख ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई के बाद सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए लिखा, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। मधुर भंडारकर ने पोस्ट किया, "हमारी प्रार्थनाएं हमारी सेनाओं के साथ हैं। एक राष्ट्र, हम साथ खड़े हैं। जय हिंद, वंदे मातरम।" जबकि कौर ने कहा, "हमारी सेनाओं के साथ एकजुट। एक देश। एक मिशन। रुजयहिंद रुऑपरेशन सिंदूर।"

अनुपम खेर

वरिष्ठ बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने गुरुवार (8 मई) को एक वीडियो साझा किया, जिसमें जम्मू के ऊपर रात के आसमान में विस्फोट दिखाई दे रहे हैं, भारत की एस–400 वायु रक्षा प्रणाली द्वारा पाकिस्तान से लॉन्च की गई आठ मिसाइलों को रोकने और नष्ट करने के तुरंत बाद। जम्मू निवासी अनुपम खेर ने अपने एक्स अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया और कहा कि यह फुटेज उनके चचेरे भाई ने उन्हें भेजा था, जिन्होंने इस घटना को देखा था। अभिनेता ने लिखा, ष्मेरे चचेरे भाई रुसुनीलखेर ने जम्मू में अपने घर से यह वीडियो भेजा है। मैंने तुरंत फोन करके पूछा कि क्या वह और उसका परिवार ठीक है। उन्होंने थोड़ी गर्व भरी मुस्कान के साथ कहा, श्भैया! हम भारत में हैं! हम हिंदुस्तानी हैं। हम भारतीय सेना और माता वैष्णो देवी द्वारा सुरक्षित हैं। जय माता की! भारत माता की जय।

कंगना रनौत

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की और लिखा, जम्मू निशाने पर! भारतीय वायु रक्षा ने जम्मू में पाकिस्तानी ड्रोन को बेअसर कर दिया, जम्मू मज़बूत रहो।

रणवीर सिंह

बाजीराव मस्तानी अभिनेता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, श्राह चलते तो हम छोड़ते नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़े तो हम छोड़ते नहीं। हमारे सशस्त्र बलों के साहस और हमारे माननीय पीएम मोदी की निर्णायकता को सलाम।

विक्रांत मैसी

साबरमती रिपोर्ट के अभिनेता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भारतीय नौसेना स्टेशन की तस्वीर शेयर की और लिखा, 'जय हिंद'।

गर्मियों में विटामिन ई कैप्सूल का इस तरह से करें इस्तेमाल, चेहरे पर आएगा जबरदस्त निखार

आज हम आपको विटामिन ई कैप्सूल के इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे फेस पर होने वाली समस्याएं कम हो सकती हैं। अगर हमारे फेस पर एक भी फूंसी हो जाए, तो इससे फेस की खूबसूरती पर असर पड़ता है।

जैसे–जैसे गर्मियों का मौसम शुरू हो रहा है, वैसे–वैसे महिलाओं को स्किन संबंधी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। अगर आप भी गर्मी में स्किन प्रॉब्लम से परेशान रहती हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज हम आपको विटामिन ई कैप्सूल के इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे फेस पर होने वाली समस्याएं कम हो सकती हैं। अगर हमारे फेस पर एक भी फूंसी हो जाए, तो इससे फेस की खूबसूरती पर असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों के मौसम में होने वाली परेशानियों से राहत पाना चाहती हैं, तो आप विटामिन ई कैप्सूल की मदद से फेस की खूबसूरती को बरकरार रख सकती हैं।

विटामिन ई कैप्सूल

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो विटामिन ई कैप्सूल त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। लेकिन आपको डायरेक्ट इसे अपने फेस पर इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। विटामिन ई कैप्सूल को फेस पैक में शामिल करके लगा सकती हैं। इसके लिए आप घर पर फेस पैक बना सकती हैं।

ऐसे बनाएं विटामिन ई से फेस पैक

विटामिन ई से फेस पैक बनाने की लिए सबसे पहले एक कंटेनर में चावल का आटा निकाल लें। फिर इसमें विटामिन ई कैप्सूल और थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिला लें। अब इस पेस्ट में गुलाब जल मिलाएं और 20 मिनट तक फेस पर अप्लाई करें। इसके बाद साफ पानी से चेहरा धो लें।

इन बातों का रखें खास ध्यान

बता दें कि विटामिन ई से बना यह फेस पैक आप सप्ताह में दो से तीन बार तक इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपको काफी फर्क देखने को मिलेगा। हालांकि ध्यान रखें कि इस पेस्ट का इस्तेमाल करने से पहले अपने फेस को अच्छे से धोकर सुखा लें और फिर इस फेस पैक को अप्लाई करें।

अनार के साथ ना खाएं ये चीजें, सेहत को हो सकता है खतरा

अनार एक ऐसा फल है जो टेस्टी होने के साथ–साथ सेहत के लिए भी बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। अनार को आप स्नैक्स के साथ–साथ सलाद या स्मूदी आदि में शामिल कर सकते हैं। यह फल विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर है। इसके सेवन से ना केवल इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद मिलती है, बल्कि यह पाचन सुधारने और आपकी स्किन को ग्लो पाने में मदद मिलती है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि अनार का सेवन सेहत के लिए बहुत अधिक लाभदायक माना जाता है। लेकिन अगर आप इसे किस अन्य फूड के साथ खाते हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। दरअसल, कुछ फूड कॉम्बिनेशन सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं। अनार के साथा कुछ फूड्स का सेवन पाचन समस्याओं का कारण बन सकता है या फिर इससे आपके शरीर को अनार के पोषक तत्वों को अच्छे से अवशोषित करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अनार के साथ खाने से बचना चाहिए–

डेयरी प्रोडक्ट्स

अनार के साथ डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, दही व पनीर, आदि को साथ में खाने से बचना चाहिए। दरअसल, अनार को डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ खाने से पाचन में समस्या हो सकती है। अनार की अम्लता और दूध के प्रोटीन के मिलने से पाचन में समस्या हो सकती है, जिससे गैस, सूजन और अपच हो सकता है। यह खासकर उन लोगों के लिए ज्यादा समस्या बन सकता है जो दूध के प्रति सेंसेटिव होते हैं। इससे आपको एसिडिटी, गैस, और पेट में ऐंठन हो सकती है।

सिट्रस फल

अनार के साथ सिट्रस फल जैसे संतरा व नींबू, आदि का सेवन करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन सिट्रस फल अनार के साथ मिलाने पर ज्यादा अम्लीय हो सकते हैं। दोनों का अम्लता स्तर अधिक होता है, जो पेट की लाइनिंग को परेशान कर सकता है और अपच या एसिड रिफ्लक्स की समस्या पैदा कर सकता है। इन दोनों को साथ में लेने से एसिड उत्पादन बढ़ सकता है, जिससे हार्टबर्न और पेट की समस्या हो सकती है।

अनानास

अगर आप फ्रूट चाट बना रहे हैं तो अनानास और अनार को एक साथ ना खाएं। अनानास और अनार दोनों में अम्लीय गुण होते हैं, और इन्हें मिलाने से पेट में जलन हो सकती है। यह फूड कॉम्बिनेशन एसिड उत्पादन और पाचन संबंधी परेशानियों का कारण बन सकता है।

सुबह का चेहरा बताता है आपकी किडनी की सेहत! जानिए कौन-से लक्षण हैं खतरे की घंटी

हम रोज सुबह आईने में खुद को देखते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह का चेहरा आपकी किडनी की हालत का आईना हो सकता है? अगर चेहरे पर सूजन, मुंह में अजीब स्वाद या हर वक्त थकान महसूस हो रही है, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ये संकेत आपकी किडनी की खराब होती सेहत की चेतावनी हो सकते हैं।

क्यों जरूरी है किडनी की सही तरह से काम करना?

किडनी का मुख्य काम शरीर से अपशिष्ट (वेस्ट) और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालना होता है। लेकिन जब किडनी कमजोर या खराब होने लगती है, तो ये जहर (टॉक्सिन्स) शरीर में जमा होने लगते हैं। इसका असर सबसे पहले सुबह के वक्त चेहरे और शरीर पर दिखाई देने लगता है।

किडनी डैमेज के संकेतः सुबह उठते ही ध्यान दें

चेहरे और आंखों पर सूजन

सुबह उठते ही अगर आपकी आंखें सूजी हुई लगें, या चेहरा फूला–फूला दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज न करें। जब किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और सोडियम को सही ढंग से बाहर नहीं निकाल पाती, तो ये तरल पदार्थ शरीर के ऊतकों (टिशूज) में जमा होने लगते हैं, जिससे सूजन आने लगती है।

यह सूजन शुरुआत में हल्की हो सकती है, लेकिन धीरे–धीरे ये टखनों, पैरों और यहां तक कि पेट तक भी फैल सकती है। अगर चेहरा रोजाना सूज रहा है, तो यह क्रॉनिक किडनी डिजीज की ओर इशारा कर सकता है।

मुंह का स्वाद खराब या कड़वाहट

किडनी के सही से काम न करने पर शरीर में यूरिया और अन्य टॉक्सिन्स का स्तर बढ़ जाता है। ये पदार्थ खून में जमने लगते हैं और मुंह के स्वाद को बदल देते हैं। सुबह–सुबह मुंह कड़वा लगना, धातु जैसा स्वाद महसूस होना या सांसों से तेज बदबू आना दृ ये सभी लक्षण इस ओर इशारा करते हैं कि किडनी शरीर को साफ नहीं कर पा रही। अक्सर लोग इसे पाचन से जुड़ी समस्या समझकर टाल देते हैं, जबकि यह यूरीमिया का प्रारंभिक संकेत हो सकता है, जो किडनी फेल होने की शुरुआत मानी जाती है।

हर वक्त थकान, कमजोरी और मसल क्रैम्प्स

अगर बिना किसी खास मेहनत के बार–बार थकान महसूस हो, शरीर सुस्त रहने लगे और पैरों में बार–बार ऐंठन या मांसपेशियों में खिंचाव हो, तो ये किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संकेत हो सकते हैं। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो वह एरिथ्रोपोइटिन नामक हार्मोन नहीं बना पाती, जो रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में मदद करता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, और व्यक्ति को एनीमिया हो सकता है, जिससे थकान बढ़ती है। इसके अलावा, इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे कैल्शियम और पोटैशियम) का असंतुलन मांसपेशियों में क्रैम्प्स पैदा करता है, जिससे रात में नींद भी बाधित हो सकती है।

किडनी की सेहत के लिए क्या करें, क्या न करें?

रोज पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं (ज्यादा भी नहीं, कम भी नहीं) ,ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल में रखें। 6 महीने में एक बार किडनी की जांच जरूर करवाएं। ज्यादा नमक और प्रोसेस्ड फूड खाने से बचें। बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों का लगातार सेवन न करें। धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं।

किडनी डैमेज धीरे–धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन शुरुआती लक्षण पहचानकर समय रहते इलाज शुरू किया जा सकता है। सुबह का चेहरा सिर्फ आपकी थकावट नहीं, आपकी किडनी की हालत भी दिखा सकता है। इसलिए शरीर के संकेतों को हल्के में न लें और समय पर जांच कराएं।

कलियुग में इन दो धामों की यात्रा बदल सकती है जीवन, जानें इसके चमत्कारी लाभ

उत्तराखंड में स्थित प्रसिद्ध चार धामों में से दो केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए हैं। 2 मई की सुबह 7 बजे केदारनाथ धाम के कपाट खुले जबकि 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए। जैसे ही ये पवित्र द्वार खुले हजारों भक्तों ने दर्शन कर यात्रा की शुरुआत कर दी। हर साल हजारों श्रद्धालु इन तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए दूर–दूर से आते हैं। माना जाता है कि इन स्थलों की यात्रा से जीवन के कई कष्ट दूर हो सकते हैं।

कलियुग में चार धाम यात्रा का महत्व

हिंदू धर्म में चार युगों की मान्यता है सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग। माना जाता है कि कलियुग सबसे पापमय युग है जिसमें अधर्म और दुःख अपने चरम पर होता है। इसीलिए लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या कलियुग में बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा भी उतनी ही फलदायी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हां, इन तीर्थ स्थलों की यात्रा आज भी उतनी ही शुभ और लाभकारी मानी जाती है।

केदारनाथ धामः शिव जी की कृपा पाने का स्थान

केदारनाथ धाम, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदार पर्वत पर स्थित है। यह भगवान शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। केदारनाथ के दर्शन करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं और जीवन में आने वाले दुख कम हो सकते हैं। यह भी माना जाता है कि केदारनाथ की यात्रा से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है, जो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है।

बद्रीनाथ धामः विष्णु जी का दिव्य निवास

बद्रीनाथ धाम, भगवान विष्णु का निवास स्थान माना जाता है। यह धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है और अलकनंदा नदी के किनारे बसा हुआ है। धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि बद्रीनाथ के दर्शन मात्र से व्यक्ति को भगवान विष्णु का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। यह स्थान आंतरिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का स्रोत माना जाता है।

पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति

केदारनाथ और बद्रीनाथ, दोनों धामों के दर्शन से पापों से मुक्ति मिल सकती है। केदारनाथ में दर्शन करने वाले भक्तों को जीवन में सुख–समृद्धि मिलने की मान्यता है। वहीं बद्रीनाथ में जब कपाट खुलते हैं तो वहां जलती हुई अखंड ज्योति के दर्शन करना विशेष पुण्य का कार्य माना जाता है। इस ज्योति को देखने से व्यक्ति के किए हुए पाप समाप्त हो सकते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

चार धाम यात्रा और जीवन–मृत्यु के चक्र से मुक्ति

कलियुग में भी चार धाम यात्रा का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस यात्रा से मनुष्य को जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल सकती है। केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि यह मानसिक शांति और आत्मिक संतोष भी प्रदान करती है। यह यात्रा व्यक्ति को आध्यात्मिक बल देती है और जीवन की कठिनाइयों से लड़ने की शक्ति भी। हर साल हजारों श्रद्धालु अपने धार्मिक विश्वास और भक्ति के साथ बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा करते हैं। ऐसा विश्वास है कि इन धामों के दर्शन से मनोकामनाएं पूरी होती हैं, दुख दूर होते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। अगर आप भी इस कलियुग में अपने जीवन को सकारात्मक दिशा देना चाहते हैं, तो एक बार बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा अवश्य करें। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक लाभ देती है, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा और शांति भी भर देती है।

जूतों को कंफर्टेबल बनाने के लिए जरूर ट्राई करें ये हैक्स, आसानी से पैरों में होंगे फिट

शू स्टोर पर जाकर जूते लाना उतना आसान नहीं होता है। जूते खरीदने के दौरान डिजाइन, कलर और साइज जैसी कई समस्याओं पर ध्यान देना पड़ता है। क्योंकि कई बार हम जल्दबाजी में ऐसे जूते खरीद लेते हैं, जो देखने में अच्छे लगते हैं। लेकिन फिर वही पसंदीदा और महंगे जूते हमारे पैरों में ठीक से फिट नहीं होते हैं। तो यह दर्द देते हैं और हजारों का नुकसान भी करा देते हैं। ऐसे में अगर आपके पसंदीदा जूते भी पैरों में फिट नहीं हो रहे हैं, तो आप उनको फेंकने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको रुकना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके ढीले या बड़े जूतों को पैरों में फिट कराने में सहायता कर सकते हैं। वहीं इस हैक्स में किसी महंगे उपकरणों या किसी अन्य खास सामग्री की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्लो ड्राई करें : अगर आपके जूते साइज में छोटे हैं, तो आप ब्लो ड्रायर की सहायता ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपने पैरों में मोटी सॉक्स पहनें। अगर मोटे सॉक्स नहीं हैं, तो आप एक के ऊपर एक दो जोड़ी जुराब पहन लें। फिर जूता पहनें। इसके बाद हेयर ड्रायर को मीडियम सेट पर लगाकर जूतों को 20–30 सेकेंट के लिए हवा दें। अब 5 मिनट के लिए ड्रायर को रोक दें और फिर 20 से 30 सेकेंड तक जूतों को हेयर ड्रायर से ब्लो ड्राई करें। इससे जूतों में स्पेस बन सकता है और जूता फिट हो सकता है।

वॉटर बैग : जूतों का साइज बड़ा करने में वॉटर बैग भी आपकी सहायता कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले दो जिपलॉग बैग लें, फिर इनमें पानी भरें और उनको जूतों के अंदर रख दें। इन जूतों को रातभर के लिए फ्रीजर में रख दें। जब फ्रीजर का पानी जमने लगे तो वह जूतों में अपनी जगह भी बनाएगा। इस उपाय को करने से टाइट जूते भी ढीले हो सकते हैं।

अखबार की गीली बॉल्स

टाइट जूतों को ढीला करने के लिए अखबार की गीली बॉल्स में मदद कर सकती है। सबसे पहले अखबार लें और उनकी बॉल्स बनाएं। अब इन बॉल्स को गीला करके जूतों में भर दें। जब तक यह बॉल्स सूख न जाएं, तब तक इनको जूतों में ही रहने दें। ऐसा करने से जूते ढीले हो सकते हैं।

पहनकर घूमें : अगर आप भी जूते पहनने में अनकंफर्टेबल हैं, तो आप पहले इनको पहनकर थोड़ी देर घर में घूम सकते हैं। ऐसा करने से जूतों में पैर अपना स्पेस बना लेंगे। ऐसे में जब आप वह जूता पहनकर बाहर जाते हैं, तो आपको कम समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पैर में फिट हो सकते हैं ढीले जूते

सूती कपड़ा : अगर आपके जूते ढीले हैं, तो आपको पैरों में फिट करने के लिए टिश्यू पेपर, रूई या फिर सूती कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। जूतों को फिट करने के लिए आप जिस भी चीज का इस्तेमाल करें, उसको टो एरिया यानी जूतों के अगले हिस्से में भर दें, इसके बाद जूता पहनें। इस तरीके से जूते पैरों में फिट हो सकते हैं।

हील ग्रिप्स : अगर जूता साइज में बड़ा होने के कारण से फिसल रहा है, तो हील ग्रिप्स भी सहायता कर सकती है। यह एक सॉफ्ट पैड्स की तरह होता है, जिनको जूते के पीछे चिपकाया जाता है। इससे ढीला जूता पैरों में फिट बैठ सकता है।

संक्षिप्त

भारत पाकिस्तान तनाव के बीच आया इंडियन ऑयल का बड़ा बयान, पेट्रोल-डीजल से लेकर एलपीजी किसी की नहीं है कमी, घबराएं नहीं लोग

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। गुरुवार और शुक्रवार की रात को पाकिस्तान की ओर से भारत में जम्मू के आबादी वाले इलाकों में मिसाइल और ड्रोन से हमले किए गए है। भारत ने पाकिस्तान द्वारा हो रहे हमलों का जोरदार जवाब दिया है। इस स्थिति को देखकर लोगों में भीषण डर का माहौल बन गया है। इसी बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने देश भर के लोगों को ऐसी जानकारी दी है जिससे आम जनता को थोड़ी राहत मिली है। आईओसीएल ने अपील की है कि ईंधन की घबराहट में खरीदारी से बचते रहे। ईंधन का सभी दुकानों पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि बिना किसी समस्या के कंपनी आपूर्ति पूरी करती रहेगी। आईओसीएल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया है। इसमें कंपनी ने कहा कि इंडियन ऑयल के पास देश भर में पर्याप्त ईंधन स्टॉक है। हमारी आपूर्ति लाइनें सुचारू रूप से चल रही हैं। घबराहट में खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे सभी आउटलेट्स पर ईंधन और एलपीजी आसानी से उपलब्ध हैं। कंपनी ने जनता से भी अपील की है कि वो शांत रहे और पेट्रोल पंप पर भी बिना वजह भीड़ ना लगाएं। लोगों के इस शांत व्यवहार से कंपनी को ईंधन की आपूर्ति पूरी करने में मदद मिलेगी। ये भी पता चलेगा कि सभी ग्राहकों को बिना देरी व बिना समस्या के पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सुविधा उपलब्ध हो।

भारत–पाकिस्तान तनाव से बाजार प्रभावित, निफ्टी 50 भी 700 अंक गिरा, सेंसेक्स ने लगाया 500 का गोता

भारत की सीमा पर पाकिस्तान के साथ तनाव देखने को मिल रहा है। इस तनाव की स्थिति का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान पर खुला है। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी 50 और सेंसेक्स में गिरावट हुई है। निफ्टी 50 में 700 अंक और सेंसेक्स में 500 अंक की गिरावट आई है। ये गिरावट पाकिस्तान द्वारा गुरुवार रात को की गई गोलीबारी के बाद देखने को

मिली है। पाकिस्तान के कदम का भारत ने भी जोरदार तरीके से जवाब दिया है। इस दौरान पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर, राजस्थान और पंजाब में कई जगहों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं। लाल निशान पर शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन खुला है। पाकिस्तान की थल सेना ने एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार से भारत पर गोलीबारी की है। वहीं इस कदम के बाद शेयर बाजार पर भी इस तनाव का असर देखने को मिला। सुबह सेंसेक्स 600 अंक नीचे आ गया था और निफ्टी 50 में भी 190 अंक की गिरावट आई थी। वहीं पाकिस्तान के लिए गुरुवार का दिन काफी निराशाजनक साबित हुआ है। पाकिस्तान का शेयर बाजार इस दिन 6000 अंक नीचे गिर गया था। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट की मानें तो भारत में बाजार में आई गिरावट के बाद भी रक्षा क्षेत्र के शेयर हरे निशान पर कारोबार कर रहे है। जानकारी के मुताबिक पारस डिफेंस में 3.52 प्रतिशत, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में 1.6 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में 2.28 प्रतिशत, जेन टेक्नोलॉजीज में लगभग 4.99 प्रतिशत और मझगांव डॉक में भी लगभग 0.85 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। भारत की ओर से जम्मू के उधमपुर और पठानकोट जैसे सैन्य ठिकानों पर हमले हुए थे। इसके बाद निफ्टी रक्षा इंडेक्स में 1.28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रक्षा से जुड़े शेयरों की कीमत बढ़ रही है।

भारत–पाकिस्तान तनाव से रक्षा कंपनियों को फायदा, आइडिया फोर्ज टेक के शेयरों में भारी उछाल

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष से रक्षा कंपनियों को फायदा हुआ है। शुक्रवार सुबह कई रक्षा कंपनियों के शेयरों में उछाल देखा गया है। दरअसल बुधवार की रात पाकिस्तान की तरफ से भारत के 15 शहरों को निशाना बनाकर हमले की कोशिश की गई थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सभी हमलों को नाकाम कर दिया। इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ने का खतरा

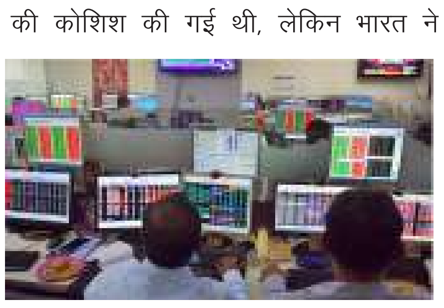

पैदा हो गया है। शुक्रवार को रक्षा कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड के शेयरों में 9.73 प्रतिशत, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में 5.89 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 4.88 प्रतिशत, गार्डन रीज शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड के शेयरों में 3.63 प्रतिशत और हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.60 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। साथ ही ड्रोन मैन्युफैक्चर्स आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में 18 प्रतिशत और ड्रोनाचार्य एरियल इनोवेशन लिमिटेड इनोवेशन लिमिटेड के शेयरों में 4.99 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई का बड़ा फैसला

आईपीएल 2025 का सत्र एक हफ्ते के लिए स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि शफिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे।श इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा। लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि शसभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है।श विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि शयह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे।श इससे पहले आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन अब बोर्ड में इसे स्थगित करने का फैसला किया है। इससे पहले, धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया मुकाबला रद्द कर दिया गया था। फ्लड लाइट्स में खराबी के कारण मैच को रोका गया था और दर्शकों तथा खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले जाया गया था। बीसीसीआई ने बताया था कि धर्मशाला में तकीनी खामी के चलते मैच रद्द किया गया है। हालांकि, गुरुवार से ही आईपीएल 2025 को लेकर संशय चल रहा था।

16 मुकाबले थे शेष

बीसीसीआई अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, शयह अच्छा नहीं लगता कि जब देश युद्ध में है तब क्रिकेट चल रहा है।श आईपीएल 2025 का सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर चल रहा था और इसमें फाइनल सहित कुल 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे। आईपीएल 2025 सत्र का फाइनल मुकाबला 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इस अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को यूएई स्थानांतरित करने का फैसला किया था।

पाकिस्तान के हमले को भारतीय सेना ने किया नाकाम

22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमले की कोशिश की थी। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के चार लड़ाकू विमान मार गिराए। इनमें अमेरिका निर्मित दो एफ–16 और चीन निर्मित दो जेएफ–17 हैं। जैसलमेर में गिराए एफ–16 और अखनूर में गिराए गए अन्य विमान के दो पायलटों को सैन्य बलों ने हिरासत में ले लिया। पाकिस्तान के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारत ने पड़ोसी देश के लाहौर, इस्लामाबाद, पेशावर व सियालकोट समेत सात शहरों पर एकसाथ जवाबी कार्रवाई की थी। थल व वायुसेना के बाद नौसेना भी इसमें जुड़ गई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की स्थिति पर थी नजर

इससे पहले, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी बयान जारी कर कहा था कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पर अपनी नजर रखे हुए है। ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा था, हम पाकिस्तान और भारत की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई सरकार, पीसीबी, बीसीसीआई और स्थानीय सरकारी अधिकारियों से नियमित सलाह और अपडेट प्राप्त करना और क्षेत्र में मौजूद हमारे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ संवाद बनाए रखना शामिल है।

पाकिस्तानी सेना की गुस्ताखी का खामियाजा

मुल्क में अपनी लीग भी कराना मुश्किल, पीएसएल को यूएई स्थानांतरित करना पड़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की गुस्ताखी की सजा अब उसका क्रिकेट बोर्ड भी भुगत रहा है। भारत के साथ चल रहे सैन्य टकराव के कारण पीसीबी ने शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग के बचे हुए मैचों को यूएई स्थानांतरित करने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि मौजूदा हालातों में पीएसएल में हिस्सा ले रहे विदेशी खिलाड़ी काफी चिंतित बताए जा रहे हैं। डर के माहौल से बाहर निकलकर अपने–अपने घर रवाना होना चाहते हैं।

अंतिम आठ मैच अब यूएई में खेले जाएंगे

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुबह–सुबह बताया कि अंतिम आठ मैच अब यूएई में खेले जाएंगे। पहले ये मैच रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में खेले जाने थे। बयान में कहा गया है कि मैचों की तारीख, समय और मैदान समय आने पर साझा किए जाएंगे।

इतना कुछ होने के बाद भी न पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आ रही है और न ही पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की। उन्होंने बेतुका आरोप लगाते हुए कहा कि भारत ने पीएसएल को बाधित करने के लिए पाकिस्तान के अंदर सबसे हालिया हमले में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को निशाना बनाया था। हालांकि, भारतीय रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान की ओर से बुधवार रात भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 15 स्थानों पर हमला करने के बाद गुरुवार को केवल वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया गया था।

बोर्ड ने पुराना रोना भी रोया

नकवी ने दावा किया, श...रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को निशाना बनाए जाने के बाद पीसीबी ने शेष मैचों को यूएई में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि घरेलू और विदेशी क्रिकेटरों की चिंताओं को दूर किया जा सके।

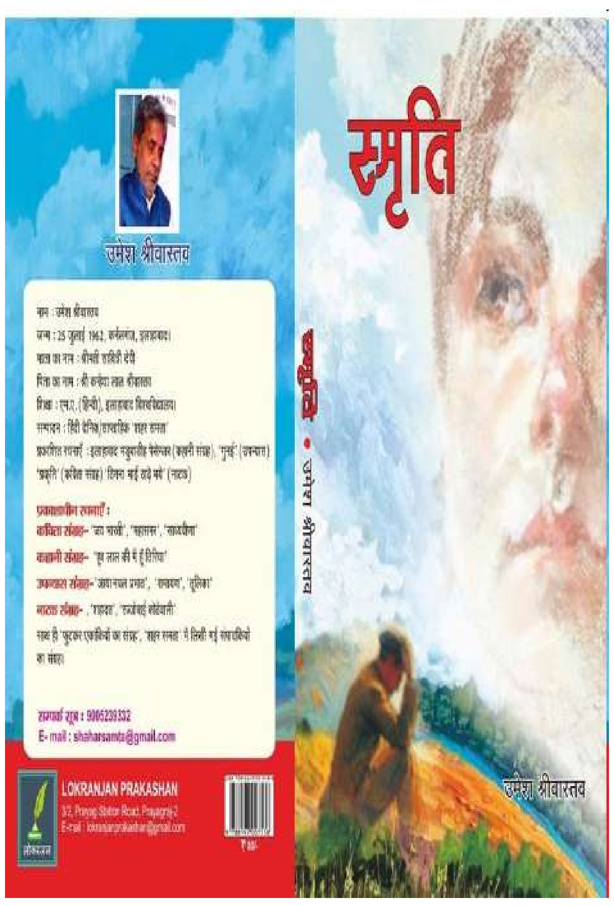

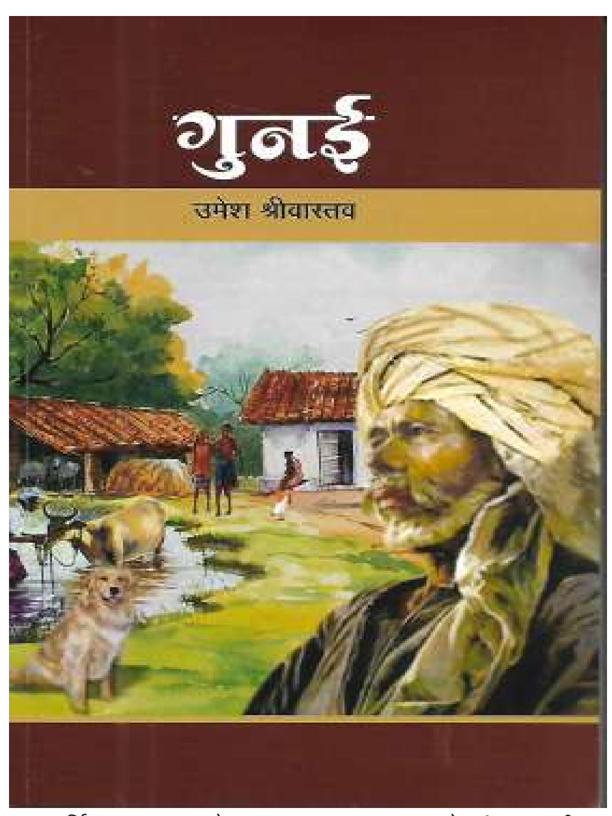

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

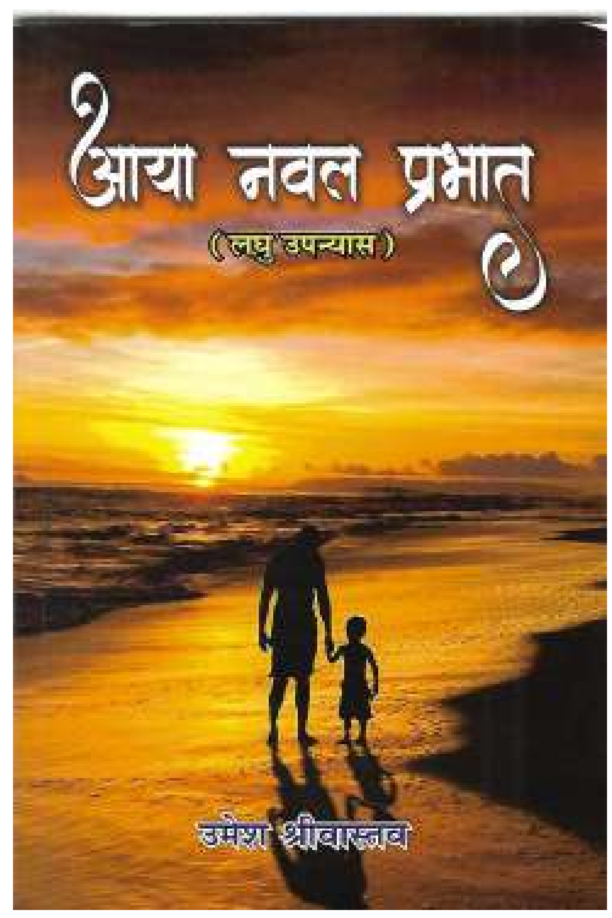

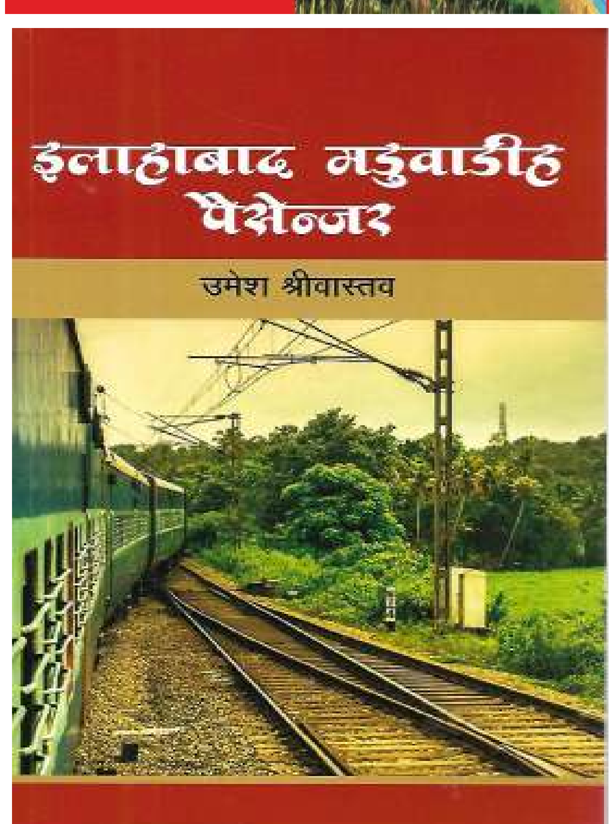

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

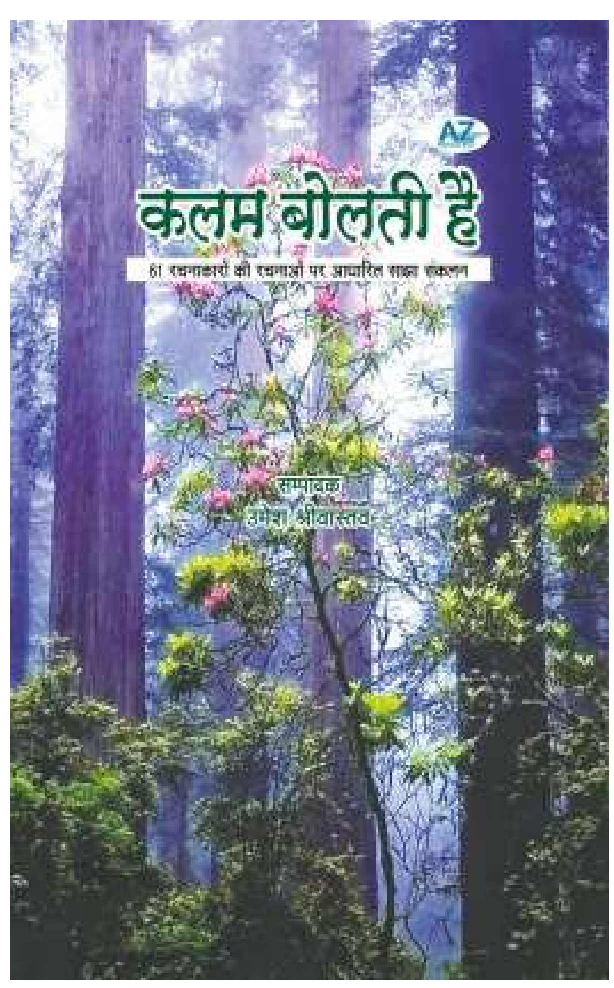

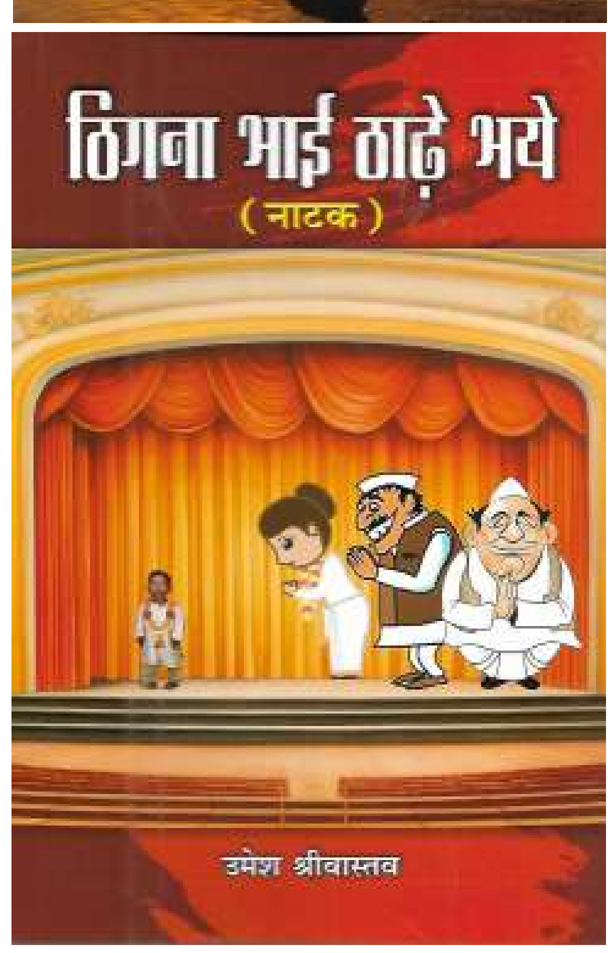

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका युद्ध से दूर रहेगा, इससे हमारा कोई वास्ता नहीं : भारत-पाकिस्तान तनाव पर वेंस ने कहा

भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कहा है कि वह ऐसे युद्ध में शामिल नहीं होगा जिससे उसका "मूलतः कोई वास्ता नहीं है"। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने बृहस्पतिवार को एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि भारत और पाकिस्तान को अमेरिका नियंत्रित नहीं कर सकता लेकिन वह परमाणु-शक्ति संपन्न दोनों पड़ोसियों से तनाव कम करने की अपील कर सकता है। यह पूछे जाने पर कि भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाला प्रशासन कितना चिंतित है, वेंस ने कहा, "देखिए, हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहीं परमाणु शक्तियां आपस में टकरा न जाएं और कोई बड़ा संघर्ष न हो जाए।" वेंस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हवाले से कहा कि वाशिंगटन चाहता है कि तनाव जल्द से जल्द "कम हो"। उपराष्ट्रपति ने कहा, "हम इन देशों को नियंत्रित नहीं कर सकते। भारत को पाकिस्तान से कुछ शिकायतें हैं। पाकिस्तान ने भारत को जवाब दिया है। हम इन लोगों से अपील कर सकते हैं कि वे तनाव को कुछ कम करने की कोशिश करें लेकिन हम युद्ध के बीच में

नहीं पड़ने जा रहे। इससे वास्तव में हमारा कोई लेना देना नहीं है।" उन्होंने कहा, "अमेरिका भारतीयों से हथियार डालने के लिए नहीं कह सकता। हम पाकिस्तानियों से हथियार डालने के लिए नहीं कह सकते। इसलिए हम कूटनीतिक माध्यमों से इस मामले को आगे बढ़ाते रहेंगे। हमें आशा और अपेक्षा है कि यह किसी व्यापक क्षेत्रीय युद्ध या भगवान न करे, किसी परमाणु संघर्ष में न बदल जाए, लेकिन हम इन चीजों को लेकर निश्चित रूप से चिंतित हैं।" वेंस ने कहा, "मुझे लगता है कि यहां कूटनीति और शांत दिमाग से काम करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो कि यह परमाणु युद्ध न बन जाए। अगर ऐसा हुआ तो यह निश्चित रूप से विनाशकारी होगा। अभी हमें नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है।" वेंस, उनकी पत्नी उषा वेंस और उनके तीन बच्चे जब भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर थे तभी 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। हमले के दो सप्ताह बाद भारत ने मंगलवार देर रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया। भारत ने बृहस्पतिवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर एवं कुछ अन्य स्थानों में सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान द्वारा मिसाइल एवं ड्रोन से हमला किए जाने के प्रयासों को विफल कर दिया। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष व्यापक होने की आशंका प्रबल हो गयी है। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को विफल किए जाने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत "अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।"

संक्षिप्त

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने भारत, पाकिस्तान से तनाव कम करने का आग्रह किया

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग बात की और तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। रूबियो ने पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों को किसी भी तरह का समर्थन बंद करने के लिए ठोस कदम उठाये जाने का आह्वान किया। जयशंकर के साथ बातचीत में रूबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन व्यक्त किया तथा संचार में

सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने को प्रोत्साहित किया। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा जारी बयान में कहा गया, "मंत्री ने तत्काल तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।" इसमें कहा गया है, "रूबियो ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले पर अपनी संवेदनाएं दोहराईं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।" जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आज शाम अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो से बात की। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ काम करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं।" उन्होंने कहा, "सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया। आतंकवाद को बढ़ाने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से मुकाबला किया जाएगा।" 'रेडियो पाकिस्तान' की खबर के मुताबिक, रूबियो ने प्रधानमंत्री शरीफ को फोन किया और दक्षिण एशिया क्षेत्र में उभरते हालात पर चर्चा की। खबर के अनुसार, रूबियो ने कहा कि अमेरिका दक्षिण एशिया की स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है, क्योंकि वह इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद की लाइब्रेरियन कार्ला हेडन को बर्खास्त किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद की लाइब्रेरियन कार्ला हेडन को अचानक बर्खास्त कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) संघीय सरकार से उन लोगों को हटा रहा है जो राष्ट्रपति और सरकार के एजेंडे का विरोध करते हैं। बृहस्पतिवार को तीन शीर्ष डेमोक्रेट सांसदों के बयानों में बर्खास्तगी का खुलासा किया गया और

मामले से परिचित एक व्यक्ति ने इसकी पुष्टि की। कनेक्टिकट से रिपब्लिकन पार्टी की सांसद रोजा डेलारो ने कहा कि ट्रंप ने हेडन को "बेहद बेरहमी से निकाल दिया।" उन्होंने प्रशासन से हेडन को बर्खास्त किए जाने के बारे में स्पष्टीकरण देने की मांग की। डेलारो ने एक बयान में कहा, "डॉ. हेडन का कार्यकाल आधुनिकीकरण और लोकतांत्रीकरण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। उनकी बर्खास्तगी न केवल उनकी ऐतिहासिक सेवा का अपमान है, बल्कि हमारे सबसे सम्मानित संस्थानों में से एक संस्थान की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।"

लश्कर आतंकी के जनाजे में पाकिस्तानी फौज के दर्जनों अधिकारी, ब्रिटेन में तस्वीर दिखा भारत के हाई कमीश्नर ने खोली पोल

ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त ने स्काई न्यूज की पत्रकार याल्दा हकीम को एक तस्वीर दिखाई जिसमें पाकिस्तानी सेना अमेरिका की तरफ से प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ के पीछे खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार दे रहा है। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए आतंकियों के जनाते में पाक सेना के अधिकारियों के शामिल होने को लेकर पाकिस्तान को लताड़ लगाई थी। उन्होंने इस्लामाबाद की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार देना पाकिस्तान में एक प्रथा बन गई है। पाकिस्तान की ओर से कोई भी आगे की कार्रवाई, जिनमें से कुछ हम आज देख रहे हैं, एक बार फिर पाकिस्तान द्वारा की गई बढ़ोतरी के अलावा और कुछ नहीं है, और इसका उचित तरीके से जवाब दिया जाएगा और दिया भी जा रहा है। ऑनलाइन वायरल एक वीडियो में रऊफ को वर्दीधारी पाकिस्तानी सेना के जवानों की मौजूदगी में नमाज़ का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया है। यह सभा कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों के लिए आयोजित की गई थी, जो पंजाब के मुरीदके में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए भारतीय हमलों में मारे गए थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया, आरोपों को आधारहीन बताया

पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने 08 और 09 मई 2025 की मध्य रात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाक सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और मुंहतोड़ जवाब दिया गया। ये जानकारी भारतीय सेना ने अपने एक्स अकाउंट पर दी है। पाकिस्तान की तरफ से जम्मू के कई इलाकों के साथ-साथ राजस्थान और पंजाब के कुछ हिस्सों में गुरुवार को ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए, जो भारत द्वारा पाकिस्तानी आतंकी शिविरों पर हमले किए जाने के ठीक एक दिन बाद एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। वहीं मिसाईल हमला करने के बाद पाकिस्तान सीधे तौर पर मुकर गया और कहा हमले कोई हमला नहीं किया।

पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को भारतीय मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया है कि उसने भारत में कई जगहों पर हमला किया है। पाकिस्तान ने ऐसे दावों को 'पूरी तरह से निराधार' करार देते हुए कहा कि यह 'लापरवाह दुष्प्रचार अभियान' का हिस्सा है। विदेश कार्यालय ने आधी रात को जारी बयान में कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां क्षेत्रीय शांति को और अधिक खतरे में डालती हैं। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने बृहस्पतिवार को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर मिसाइलों और ड्रोन से सैन्य ठिकानों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, "आज जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित जम्मू, पठानकोट और उधमपुर के सैन्य ठिकानों को पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया गया।" सैन्य सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से मिसाइलें जम्मू के सतवारी, सांबा, आरएस पुरा और अरनिया कस्बों पर भी दागी गईं पर उन्हें भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने नाकाम कर दिया। अपने बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान सरकार भारतीय मीडिया द्वारा दुष्प्रचारित 'बेबुनियाद और गैर जिम्मेदाराना आरोपों' को सिरे से खारिज करती है, जिसमें पाकिस्तान पर पठानकोट, जैसलमेर और श्रीनगर पर हमले करने का आरोप लगाया गया है।" बयान में कहा गया, "ये दावे पूरी तरह से निराधार, राजनीति से प्रेरित और पाकिस्तान को बदनाम करने के उद्देश्य से किए जा रहे दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा हैं।" विदेश कार्यालय ने कहा कि बिना किसी विश्वसनीय जांच के पाकिस्तान के खिलाफ बार-बार आरोप लगानाआक्रामकता दिखाने और क्षेत्र को और अधिक अस्थिर करने का बहाना बनाने के लिए जानबूझकर तैयार की गई रणनीति को दर्शाता है। उसने कहा,"ऐसी कार्रवाइयां न केवल क्षेत्रीय शांति को और अधिक खतरे में डालती हैं, बल्कि राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों के लिए गलत सूचनाओं का फायदा उठाने की चिंताजनक इच्छा को भी दर्शाती हैं।" पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस "खतरनाक व्यवहार" पर गंभीरता से ध्यान देने और भारत को संयम और जिम्मेदारी पूर्वक व्यवहार करने की सलाह देने का आग्रह किया है।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान का नया हथियार, सावधानी बरतें और सुरक्षित रहें

पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पीओके में बैठे आतंकियों पर जोरदार हमला किया। इसके बाद से पाकिस्तान लगातार सीमा पर हमला कर रहा है, जिसका भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। अब पाकिस्तान ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप के जरिए भारत के आम लोगों पर कथित तौर पर साइबर हमले शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तान ने कथित तौर पर साइबर युद्ध शुरू कर दिया है, जिसमें वो आम भारतीय नागरिकों को निशाना बना रहा है। खुफिया सूत्रों से मिली

जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान डांस ऑफ हिलेरी नाम का खतरनाक वायरस भारतीयों के बीच फैलाने की कोशिश कर रहा है। यह मैलवेयर वॉट्सऐप, फेसबुक, टेलीग्राम और ईमेल जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए भेजा जा रहा है, जिससे लोगों की निजता और सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। 'डांस ऑफ हिलेरी' वायरस आमतौर पर वीडियो या डॉक्यूमेंट के रूप में आता है, जो देखने में सामान्य लगता है लेकिन वास्तव में खतरनाक होता है। एक बार खुलने पर यह आपके फोन या कंप्यूटर को नुकसान पहुंचा सकता है और आपकी बैंक जानकारी, पासवर्ड और निजी फाइलों जैसे संवेदनशील डेटा को चुरा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस अक्सर .मगम में खत्म होने वाली फाइलों में पाया जाता है, जैसे कि जोीबीम.मगम। ये फाइलें हैकर्स को आपके डिवाइस तक रिमोट एक्सेस दे सकती हैं। इसलिए, सरकार लोगों से सतर्क रहने, अनजान लिंक या अटैचमेंट से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह कर रही है।

'डांस ऑफ हिलेरी' वायरस से बचने के कुछ उपायः

1. अनजान लिंक या अटैचमेंट न खोलें।
2. संदिग्ध ईमेल या मैसेज से सावधान रहें।
3. एंटीवायरस सॉफ्टवेयर अपडेट रखें।
4. मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें।
5. दो-कारक प्रमाणीकरण (2थ्।) का उपयोग करें।
6. नियमित रूप से अपने डिवाइस और डेटा का बैकअप लें।
7. सॉफ्टवेयर और ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

पाकिस्तान की असलियत आई सामने, भारत के सामने टिकने के लिए मांग रहे दूसरे देशों से भीख, दुनिया से की ये अपील

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बनती दिख रही है। एक तरफ भारत अपने ही दम पर पाकिस्तान की खाट खड़ी कर रहा है। वहीं पाकिस्तान भारत की ओर से की जा रही जवाबी कार्रवाई से बुरी तरह प्रभावित हो गया है। भारत के मजबूत और पक्के इरादों को देखकर पाकिस्तान ने फिर दुनिया के सामने रोना शुरू कर दिया है। भारत से लड़ने में अक्षम पाकिस्तान अब एक बार फिर भीख मांगने पर मजबूर हो गया है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत द्वारा पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई के लिए और अधिक ऋण देने का आग्रह किया है। पाकिस्तान ने ये आग्रह उस समय किया है जब वो भारत को गीदड़भभकी दिखा रहा है। मगर असलियत है कि पाकिस्तान की जेब पूरी तरह से खाली है। भारत द्वारा लिए गए इस एक्शन के बाद पाकिस्तान भीख मांगने पर मजबूर हो गया है। दरअसल पाकिस्तान सरकार के आर्थिक मामलों के प्रभाग द्वारा की गई थी। प्रभाग के आधिकारिक एक्स अकाउंट से मदद की गुहार लगाते हुए पोस्ट किया गया है। इस पोस्ट में दुनिया भर के देशों से अपील की गई है कि वो पाकिस्तान को कर्ज दें क्योंकि भारत के साथ लड़ाई में पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पाकिस्तान ने वैश्विक समुदाय से भी स्थिति को कम करने में मदद करने का आग्रह किया। नकदी की कमी से जूझ रहा पाकिस्तान अपने देश को चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण की गुहार लगा रहा है और इसके बावजूद उसने पहलगाम में आतंकवादी हमला करके भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का विकल्प चुना है, जिसे नई दिल्ली ने 'वास्तविक उकसावे' के रूप में बताया है। पाकिस्तान अब वित्तीय संकट का सामना कर रहा है क्योंकि उसे अपनी सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकास और अन्य निधियों को स्थानांतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, और इस प्रकार, वह साझेदार देशों के सामने फिर से भीख मांग रहा है। पाकिस्तान सरकार ने दुश्मन द्वारा भारी नुकसान पहुँचाने के बाद अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों से अधिक ऋण की अपील की है। बढ़ते युद्ध और शेयर बाज़ारों में गिरावट के बीच, हम अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से तनाव कम करने में मदद करने का आग्रह करते हैं। राष्ट्र से दृढ़ रहने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान की ओर से वैश्विक समुदाय

से यह अपील भारत द्वारा आतंकवाद के मामले में इस्लामाबाद के दोहरे मापदंड को उजागर करने के बाद आई है। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारत ने कहा कि सटीक हमलों में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया गया और ये हमले गैर-बढ़ाने वाले थे। हालांकि, पाकिस्तान ने अगले दिन 15 भारतीय शहरों पर बमबारी करने की कोशिश की और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ-साथ प्रमुख स्थलों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइलें दागना जारी रखा। हालांकि, भारत ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके सभी हमलों को बेअसर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में, भारत ने पीओके और पाकिस्तान में कई जगहों को निशाना बनाया, जिसमें इस्लामाबाद की वायु रक्षा प्रणाली को निशाना बनाया गया।

सना हवाई अड्डे पर तबाही, हूती ने खाई इजरायल से बदले की कसम

यमन के हूती नियंत्रित राजधानी सना में हवाई अड्डे पर इजरायल के हमले में टर्मिनल भवन तबाह हो गए हैं और खबर है कि करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इस बात की जानकारी इसके निदेशक की ओर से दी गई। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा गया था कि इजरायली हमलों में ज्यादा नुकसान होने के बाद हवाई अड्डा अगली सूचना तक सभी उड़ानों को निलंबित कर रहा है। इजराइली सेना ने बताया कि बल द्वारा यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमलों में राजधानी सना में देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया।

माहौल बिगाड़ा तो...ट्रंप की शहबाज शरीफ को लास्ट वार्निंग

अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से सीधे सीधे चेतावनी शहबाज शरीफ को दी गई है। ट्रंप ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान पश्चिमी एशिया के माहौल को न बिगाड़े। ट्रंप खुद समाने आकर पाकिस्तान के पीएम को चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पाकिस्तान का उकसाने वाला रवैया एशिया के माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तान को एक चेतावनी देते हुए संयम बरतने को कहा और इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने पर जोर दिया। ट्रंप ने अपने संदेश में कहा कि क्षेत्रीय शांति के लिए पाकिस्तान को उकसाने वाला रवैया तुरंत बंद करना होगा। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि उसकी प्राथमिकता एशिया में शांति और स्थिरता है। पाकिस्तान को संयमित रूख अपनाने की सलाह दी गई है। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग बात की और तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। रूबियो ने पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों को किसी भी तरह का समर्थन बंद करने के लिए ठोस कदम उठाये जाने का आह्वान किया। जयशंकर के साथ बातचीत में रूबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन व्यक्त किया तथा संचार में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने को प्रोत्साहित किया। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा जारी बयान में कहा गया, मंत्री ने तत्काल तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।